

समाचार सार

चैनपुर में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस बालिकाओं के अधिकार और सुरक्षा पर जोर



चैनपुर (गुमला): गुड शेफर्ड संस्था की सीसीएसई परियोजना के तहत अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में जिला परिषद सदस्य मेरी लकड़ा, चैनपुर थाना प्रभारी अरविंद कुमार, चैनपुर की मुखिया शोभा देवी, बंदेरा पंचायत के मुखिया सुशील दीपक और सेंट माइकल्स इंग्लिश मीडियम स्कूल की शिक्षिका सुहासिनी एक्का उपस्थित रहें।

बालिकाओं को समान अवसर देने की अपील: कार्यक्रम में अतिथियों ने बालिकाओं के अधिकार, शिक्षा, सुरक्षा और सशक्तीकरण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि लड़के और लड़कियों को समान अवसर मिलना चाहिए। समाज के सभी क्षेत्रों में बालिकाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के साथ लैंगिक भेदभाव समाप्त करना जरूरी है।

बाल विवाह और बालिकाओं के खिलाफ हिंसा रोकने पर जोर: वक्ताओं ने बाल विवाह, बालिकाओं के खिलाफ हिंसा और भेदभाव रोकने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बालिका को सम्मान, सुरक्षा और आगे बढ़ने का समान अवसर मिलना चाहिए। इसके लिए परिवार और समाज को मिलकर प्रयास करने की आवश्यकता है।

बाल संसद और किशोरी समूहों की भूमिका पर चर्चा: कार्यक्रम में बाल संसद और किशोरी समूहों के माध्यम से बालिकाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित करने तथा उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बनाने पर चर्चा की गयी। साथ ही बालिकाओं को अपनी बात रखने और निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करने पर जोर दिया गया।

दस गांवों के बच्चे हुए शामिल: मौके पर सीसीएसई परियोजना समन्वयक बिनय पन्ना, प्रभारी सिस्टर नित्या, सामुदायिक सुविधाकर्ता बबीता और सोमज तिकी, ईजे परियोजना की सामुदायिक आयोजक ज्योति किरण एक्का, कुमुद मुंडा सहित दस गांवों के बच्चे उपस्थित रहे।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म व खाते से 15.17 लाख ट्रांसफर कराने का आरोप, रांची से युवक रिफ्तार

गुमला: जिले की एक युवती ने लोहरदगा के सेन्हा निवासी प्रभास्कर कुजूर पर प्रेमजाल में फंसाकर अलग-अलग किस्तों में करीब 15 लाख रुपये लेने और बाद में ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया है। आरोप है कि युवक ने प्रेम संबंध का फायदा उठा कर दो वर्षों में अलग-अलग किस्तों में रकम ली और ऑनलाइन गेमिंग में गंवा दी। परिजनों ने गुमला सदर थाने में लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

युवक और युवती रांची में पढ़ाई के दौरान संपर्क में आये थे। आरोपी युवक प्रभास्कर कुजूर पॉलिटेक्निक की पढ़ाई कर रहा था। धीरे-धीरे दोनों में दोस्ती प्रेम संबंध में बदल गयी। आरोप है कि आरोपी युवक ऑनलाइन गेमिंग में पैसा गंवाने के बाद युवती से रकम मांगने लगा। युवती उसे पैसे देती रही और करीब दो वर्षों में 17 लाख रुपये दे दिये। युवती के पिता सेवानिवृत्त कर्मी हैं। उनके बैंक खाते का ऑनलाइन लेनदेन और नेट बैंकिंग युवती अपने मोबाइल से संचालित करती थी। इसी दौरान खाते से युवक को रकम भेजी गयी। परिजनों को इसकी जानकारी बाद में हुई। शिकायत मिलने पर पुलिस बैंक खातों के ट्रांसजेक्शन और रकम भेजने के तरीकों की जांच कर रही है।

हजारीबाग से कोलकाता, पटना और सासाराम के लिए शुरू हुई आधुनिक बस सेवा



हजारीबाग: राजश्री टूर एंड ट्रेवल्स के नये बुकिंग काउंटर का शुभारंभ रविवार, 11 अक्टूबर की देर शाम को किया गया। इसके संचालक भरत सिंह ने बताया कि यात्रियों की सुविधा के लिए हजारीबाग से कोलकाता, पटना और सासाराम के लिए प्रतिदिन एसी सीट एवं स्लीपर बस सेवा शुरू की गयी है।

आधुनिक सुविधाओं से लैस इन बसों में यात्रियों को आरामदायक सफर का अनुभव मिलेगा।

रात 10 बजे से मिलेगी बस सेवा: भरत सिंह ने बताया कि हजारीबाग से कोलकाता के लिए आसनसोल, दुर्गापुर और वर्धमान होते हुए रात 10 बजे बस खुलेगी। वहीं, हजारीबाग से पटना के लिए गया और जहानाबाद के रास्ते बस सेवा उपलब्ध होगी। हजारीबाग से सासाराम के लिए शेरघाटी, औरंगाबाद और डेहरी होते हुए बस सेवा शुरू की गयी है। इन मार्गों पर रात 10 बजे और 10:20 बजे बसों के प्रस्थान का समय निर्धारित किया गया है।

ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा : यात्री बस टिकट की बुकिंग कंपनी की वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन कर सकते हैं। इसके अलावा बुकिंग के लिए मोबाइल नंबर 9162176273, 8092594313, 6204300495 और 9431155479 पर संपर्क किया जा सकता है। संचालक ने बताया कि राजश्री टूर एंड ट्रेवल्स पिछले 31 वर्षों से हजारीबाग में यात्रियों को अपनी सेवाएं दे रहा है।

20 लाख की अफीम और 4 लाख कैश के साथ 4 तस्कर गिरफ्तार



चतरा: जिला पुलिस ने लावालोंग थाना क्षेत्र के हेडुम गांव में बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराष्ट्रीय अफीम तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने पंजाब अफीम ले जाने की

तैयारी कर रहे चार तस्करों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक आरोपी मौके से भागने में सफल रहा। चतरा एसपी अनिमेष नैथानी के अनुसार, गिरफ्तार तस्करों के पास से 2.5 किलोग्राम अवैध अफीम बरामद हुई है, जिसकी बाजार में कीमत लगभग 20 लाख रुपये आंकी गई है। इसके अलावा इनके पास से 4 लाख रुपये नकद, एक इलेक्ट्रॉनिक तराजू और 3 मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। थाना प्रभारी चंदन कुमार के नेतृत्व में हुई इस छापेमारी में पकड़े गए मुख्य आरोपी मुनेश्वर यादव और कमलेश यादव का पुराना आपराधिक इतिहास रहा है। दोनों पूर्व में भी हरियाणा और पंजाब में एनडीपीएस एक्ट के तहत अफीम तस्करी के आरोप में जेल जा चुके हैं। सभी आरोपियों के खिलाफ लावालोंग थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत कांड संख्या-74/26 दर्ज कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस फिलहाल फरार आरोपी की सर्गर्मी से तलाश कर रही है।

सिटी

मेट्रोRays

दुर्गा पूजा पर झारखंड पुलिस अलर्ट मोड में, 6750 गृह रक्षकों की होगी तैनाती

संवाददाता

रांची: दुर्गा पूजा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद बनाए रखने के लिए झारखंड पुलिस अलर्ट मोड में है। राज्यभर के पूजा पंडालों, प्रमुख चौक-चौराहों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में सुरक्षा बढ़ाने की तैयारी की गई है। इसके तहत पूरे राज्य में कुल 6750 गृह रक्षकों की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। इन जवानों को 14 अक्टूबर से 23 अक्टूबर 2026 तक 10 दिनों के लिए द्यूटी पर लगाया जाएगा। इसके अलावा पूजा पंडालों में युवा दस्ते के सदस्य भी सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करेंगे।

पूजा पंडालों में उमड़ेगी भीड़, सुरक्षा के लिए अतिरिक्त बल तैनात: राजधानी रांची समेत झारखंड के विभिन्न जिलों में दुर्गा पूजा की तैयारियां अंतिम



चरण में हैं। आकर्षक पूजा पंडालों का निर्माण लगभग पूरा होने वाला है। 14 अक्टूबर से पूजा पंडालों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने की संभावना को

देखते हुए पुलिस और प्रशासन विशेष सतर्कता बरत रहे हैं। त्योहार के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने, भीड़ को नियंत्रित करने और किसी भी अप्रिय

घटना से निपटने के लिए अतिरिक्त बल की तैनाती की जा रही है।

सभी जिलों को गृह रक्षकों की प्रतिनियुक्ति के निर्देश: गृह

दुर्गा पूजा के दौरान बिगड़ेगा राज्य मे बिगड़ेगा मौसम का मिजाज, पंडालों की सुरक्षा को लेकर सतर्क रहने की जरूरत

श्रद्धालुओं की सुरक्षा और शांतिपूर्ण पूजा पर जोर

संवाददाता

रांची: भारत मौसम विज्ञान विभाग ने दुर्गा पूजा के उत्सव के बीच झारखंड में मौसम के मिजाज में बदलाव को लेकर चेतावनी जारी की है। मौसम केंद्र ने 11 से 13 अक्तूबर के दौरान राज्य के विभिन्न हिस्सों में गरज-चमक, आकाशीय बिजली गिरने और तेज हवा चलने का अनुमान जताया है। दुर्गा पूजा के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं की उमड़ती भीड़ और पंडालों की भव्य तैयारियों के बीच आई मौसम विभाग की इस चेतावनी के बाद प्रशासन और पूजा समितियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

पूजा पंडालों और सुरक्षा व्यवस्था पर प्रभाव: राजधानी रांची सहित राज्य भर में दुर्गा पूजा की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। शाम होते ही पूजा पंडालों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटने लगती है। ऐसे समय में मौसम बिगड़ने से पंडाल परिसरों में व्यवस्था सभालने में कठिनाई आ सकती है। तेज हवा चलने से



पंडालों के बाहर लगाए गए अस्थायी होर्डिंग, सजावटी सामान, कपड़े के पर्दे और हल्के ढांचे प्रभावित हो सकते हैं। दुर्गा पूजा के दौरान शाम और रात के समय पूजा पंडालों में दर्शन के लिए बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के साथ पूरे परिवार निकलते हैं। यदि इसी दौरान अचानक आंधी या तेज हवाएं चलती हैं, तो खुले स्थानों पर रुकना जोरिखम भरा हो सकता है। बारिश की स्थिति बनने पर पंडालों के आसपास जलभराव और

कीचड़ की समस्या उत्पन्न हो सकती है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पूजा समितियों को बिजली के तारों, जनरेटर और रोशनी की अस्थायी व्यवस्था की गहन जांच करने को कहा गया है। आकाशीय बिजली की आशंका के समय श्रद्धालुओं को खुले मैदानों, पेड़ों के नीचे और बिजली के खंभों के पास खड़े न होने की सलाह दी गई है। इसके अलावा किसी भी अनहोनी से बचने के लिए पंडालों में प्रवेश और निकास की सुव्यवस्थित योजना तैयार

करना आवश्यक है।

प्रभावित जिले और तापमान का हाल: मौसम केंद्र रांची के अनुसार शनिवार को राजधानी का अधिकतम तापमान 27.8 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 19.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रविवार को भी रांची में अधिकतम तापमान करीब 28 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना जताई गई है। दिनभर बादलों की आवाजाही बनी रहेगी और कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बौछारें गिर सकती हैं। क्षेत्रीय पूर्वानुमान के अनुसार 12 और 13 अक्तूबर को मौसम की यह गतिविधि अधिक तीव्र हो सकती है। 12 अक्तूबर को हजारीबाग, रामगढ़, लोहरदगा, गुमला, रांची और खुर्दी समेत आसपास के जिलों में तेज हवा और आकाशीय बिजली का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं 13 अक्तूबर को हजारीबाग, रामगढ़, लोहरदगा और रांची सहित उत्तर-पश्चिमी और मध्य झारखंड के इलाकों में मौसम खराब रहने की संभावना बनी हुई है।

हंटरगंज में जाति-आवासीय प्रमाणपत्र के लिए भटक रहे ग्रामीण और छात्र

तत्काल आवेदन भी बेअसर,अंचल कार्यालय का लगा रहे चक्कर,सुध लेने वाला कोई नहीं



संवाददाता

चतरा: सरकार पंचायत स्तर पर ग्रामीणों को सरकारी सुविधाएं उपलब्ध कराने की बात कर रही है, लेकिन हंटरगंज प्रखंड में जाति, आय और आवासीय प्रमाणपत्र बनवाना ग्रामीणों और छात्रों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। तत्काल आवेदन देने के बावजूद कई आवेदकों को एक महीने से अधिक समय बीतने पर भी प्रमाणपत्र नहीं मिल पाया है। इससे ग्रामीणों में नाराजगी है, वहीं छात्रवृत्ति के लिए जरूरी दस्तावेज

जुटाने में विद्यार्थियों को परेशानी हो रही है। ग्रामीणों के अनुसार, हल्का संख्या 2, 6, 7, 8 और 10 से जुड़े कई आवेदनों का अब तक जवाब नहीं हुआ है। प्रमाणपत्र के लिए लोग बार-बार अंचल कार्यालय और संबंधित कर्मचारियों के पास चक्कर काट रहे हैं। इसके बावजूद काम नहीं होने से उनकी परेशानी बढ़ती जा रही है।एसआईआर के लिए दस्तावेज जुटाने वाले ग्रामीण भी प्रमाणपत्र मिलने में हो रही देरी से परेशान हैं। पैसे लेकर पहले काम करने का आरोप: कुछ आवेदकों

ने कंप्यूटर ऑपरेटर्स पर पैसे लेकर पहले प्रमाणपत्र जारी करने और पैसे नहीं देने वालों को बार-बार दौड़ाने का आरोप लगाया है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से मामले की जांच कराने और प्रमाणपत्र निर्गत करने की प्रक्रिया में तेजी लाने की मांग की है।

पंचायत स्तर पर सुविधा नहीं, मुख्यालय का काटना पड़ रहा चक्कर: सरकार की मंशा पंचायत सचिवालयों को सशक्त बनाकर ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर

सुविधाएं उपलब्ध कराने की है। इसके बावजूद पंचायत भवनों में संबंधित काम नहीं होने से दूर-दराज के गांवों के लोगों को प्रखंड मुख्यालय पहुंचना पड़ता है।आने-जाने में समय और पैसे दोनों खर्च होते हैं। यदि पंचायत स्तर पर ही जरूरी सुविधाएं उपलब्ध हों और आवेदनों का समय पर निष्पादन हो, तो ग्रामीणों को बड़ी राहत मिल सकती है।

ग्रामीणों ने जताई नाराजगी: सोखा गांव की सुमन देवी, डटमी के इश्वरी यादव और गेंजना की अजमेरी खातून समेत दर्जनों ग्रामीणों व छात्रों ने प्रमाणपत्र जारी करने में हो रही देरी पर नाराजगी जताई है। उन्होंने अंचल प्रशासन से लॉकित आवेदनों का शीघ्र निष्पादन कराने और पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने की मांग की है। अब देखना है कि अंचल प्रशासन ग्रामीणों की इस परेशानी को दूर करने के लिए क्या कदम उठाता है।

क्या कहें हैं? सीओ: हालांकि इस मामले में हंटरगंज अंचलाधिकारी रितिक कुमार ने बताया कि एसआईआर की लेकर अभी में व्यस्त हूं फिर भी काम तेजी से चल रहा है।

►14 से 23 अक्टूबर तक संभालेंगे सुरक्षा की कमान

►रांची में होगी सबसे ज्यादा जवानों की तैनाती

रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवा के महानिदेशक-सह-महानिरीक्षक कार्यालय की ओर से इस संबंध में सभी जिला समादेशों को निर्देश जारी किए गए हैं। पत्र में जिलों को निर्धारित संख्या के अनुसार गृह रक्षकों को द्यूटी के लिए बुलाने और उन्हें समय पर तैयार रखने को कहा गया है। इसका उद्देश्य स्वीकृति मिलने के बाद संबंधित वरीय पुलिस अधीक्षकों और पुलिस अधीक्षकों को जरूरत के अनुसार जवान उपलब्ध कराना है, ताकि पूजा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में किसी तरह की कमी न रहे।

रांची में सबसे ज्यादा

600 गृह रक्षकों की तैनाती: जारी निर्देश के अनुसार, दुर्गा पूजा के दौरान सबसे अधिक 600 गृह रक्षकों की तैनाती रांची जिले में की जाएगी। इसके अलावा जमशेदपुर और हजारीबाग में 500-500, जबकि गिरिडीह में 400 गृह रक्षक प्रतिनियुक्त किए जाएंगे। राज्य के अन्य जिलों में भी निर्धारित संख्या के अनुसार जवान तैनात किए जाएंगे।

इन जिलों में गढ़वा, लातेहार, खुर्दी, गुमला, चतरा, लोहरदगा, सिमडेगा, रामगढ़, कोडरमा, पलामू, दुमका, साहिबगंज और सरायकेला-खरसावां समेत अन्य जिले शामिल हैं।

भाजपा चतरा जिला संगठन की बैठक संपन्न

मन की बात और सेवा संकल्प अभियान की हुई समीक्षा



संवाददाता

चतरा: भारतीय जनता पार्टी चतरा जिला संगठन की महत्वपूर्ण बैठक जिला अध्यक्ष रामदेव सिंह भोगता के नेतृत्व में आयोजित की गई। वहीं मंच संचालन जिला महामंत्री कपिल पासवान ने किया। बैठक में जिला संगठन की गतिविधियों, मन की बात कार्यक्रम, सेवा संकल्प अभियान एवं बूथ स्थापना को लेकर विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई।बैठक में मन की बात कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए जिन मंडलों में शत-प्रतिशत बूथों पर कार्यक्रम का श्रवण किया गया, वहां के मंडल अध्यक्षों, बूथ कार्यकर्ताओं एवं वरिष्ठ नेताओं को बधाई दी गई। साथ ही जिन बूथों पर कार्यक्रम का श्रवण नहीं हो पाया, वहां आगामी मन की बात कार्यक्रम में शत-प्रतिशत सहभागिता सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया। वहीं सेवा संकल्प अभियान को सफल बनाने पर जोर दिया गया।

बैठक में सेवा संकल्प अभियान की विशेष समीक्षा की गई। अभियान के अंतर्गत शेष बचे कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई। जिला नेतृत्व ने अभियान के सभी निर्धारित कार्यक्रमों के सक्रियता और समन्वय के साथ पूरा करने पर जोर दिया। संगठन को बूथ स्तर पर और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से बूथ स्थापन पर भी विस्तार से चर्चा की गई। सभी मंडल अध्यक्षों एवं संबंधित पदाधिकारियों को 20 अक्टूबर के बाद बूथों का स्थापन कार्य पूरा कर बूथ कमेटियों की सूची जिला कार्यालय में जमा करने का निर्देश दिया गया।

बैठक में जिला पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों एवं संगठन के अन्य प्रमुख कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। बैठक के माध्यम से संगठनात्मक कार्यों में गति लाने, बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने तथा पार्टी के निर्धारित कार्यक्रमों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने का संकल्प लिया गया।

रामगढ़ में दर्दनाक हादसा, कंटेनर और कार की भीषण टक्कर में एक ही परिवार के 2 लोगों की मौत, 3 घायल

रामगढ़: झारखंड के रामगढ़ जिले में एक कंटेनर ट्रक की कार से टक्कर हो जाने से कार में सवार एक ही परिवार के दो सदस्यों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि हादसा रविवार देर शाम चुरूपालू घाटी के पास उस समय हुआ, जब परिवार के सदस्य कार से रांची से हजारीबाग जा रहे थे। रामगढ़ थाने के प्रभारी गजेंद्र पांडेय ने बताया, "कंटेनर ट्रक की कार से टक्कर होने के बाद दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए।" उन्होंने बताया कि तीनों घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनमें से एक को बाद में रांची स्थित राजेंद्र आर्युविज्ञान संस्थान (रिम्स) रेफर कर दिया गया। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने बताया कि हादसे के कारण मार्ग पर काफी लंबा जाम लग गया। करीब तीन घंटे बाद यातायात सामान्य हो सका।



टंडवा के पोकला में शारदीय नवरात्र पर निकली भव्य कलश यात्रा

चतरा: शारदीय नवरात्र के अवसर पर टंडवा प्रखंड के पोकला गांव में कलश यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान सैकड़ों महिलाएं सिर पर कलश लेकर गांव से निकलीं और शंका नदी पहुंचकर विधि-विधान के साथ जल उठायीं। इसके बाद सभी महिलाएं कलश लेकर वापस पोकला गांव पहुंचीं। कलश यात्रा के दौरान महिला भक्तिमय बना रहा। इस कार्यक्रम में चतरा सांसद के पंचायती राज सांसद प्रतिनिधि दिलीप कुमार अम्बष्ठ शामिल हुए। इस अवसर पर दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष बसंत राणा ने अंगवस्त्र भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। कार्यक्रम में दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष बसंत राणा, सचिव बजरंग कुमार, शिक्षक बिनेश्वर कुमार, जगदीश महतो, विनोद कुमार सिंह, अनिल कुमार सिन्हा, पोकला उर्फ कसियाडीह की मुखिया सरिता कुमारी, दासों देवी सहित सैकड़ों महिला-पुरुष उपस्थित थे।



दलादिली चौक में श्रद्धा व उल्लास के साथ शुरु हुआ शारदीय नवरात्र

माता दुर्गा की आराधना में जुटे श्रद्धालु



मेट्रो रेज

रांची: रिंग रोड दलादिली चौक अवस्थित मां दुर्गा एवं वीर हनुमान मंदिर प्रांगण में शारदीय नवरात्र की शुरूआत मां दुर्गा की पूजा-अर्चना के साथ हो गई। शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन मां शैलपुत्री की पूजन के साथ शुरु हुए नवरात्र के अवसर पर संध्या आरती में भक्तों की भीड़ भारी संख्या में जुटी। भक्तों ने मां दुर्गा की पूजा अर्चना कर परिवार की सुख ,शांति और समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सह पूजा समिति के मीडिया प्रभारी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि शारदीय नवरात्र के उपलक्ष्य में पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल देखने को मिला। नौ दिनों तक चलने वाले शारदीय नवरात्र में श्रद्धालु मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा अर्चना करते हैं। नवरात्र के पहले दिन कलश स्थापना या घट स्थापना का विशेष महत्व माना जाता है। इसे नवरात्र पूजा का शुभारंभ का प्रतीक माना जाता है। हिंदू धर्म में शारदीय नवरात्र का विशेष महत्व है। सुनील सिंह ने कहा कि पौराणिक मान्यताओं के अनुसार मां दुर्गा ने अश्विन मास में महिषासुर स नौ दिनों तक घोर युद्ध कर दसवें दिन उसका वध किया था। इसी कारण शक्ति

की अधिष्ठात्री देवी दुर्गा के नौ स्वरूपों की नौ दिनों तक पूजा की जाती है,जिसे नवरात्रि कहा जाता है। भारतीय पंचांग के अनुसारइस वर्ष शारदीय नवरात्रि की घट स्थापना रविवार 11 अक्टूबर 2026 से शुरू हो गई जो नौ दिनों तक चलेगी। इस दौरान भक्त व्रतइंद्र उपवास रखकर विधि पूर्वक मां के नौ रूपों की आराधना करेंगे। प्रथम दिन कलश स्थापना के साथ ही पूजा झअर्चना शुरू हो गई। उन्होंने कहा कि इस पूजा आयोजन को सफल बनाने को लेकर समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य दिन रात मेहनत कर युद्ध स्तर पर जुट गए हैं। वहीं समिति के सचिव अभिषेक मिश्रा ने बताया कि हमलोगों के द्वारा पिछले छह वर्षों से पूजा का आयोजन किया जा रहा है। और हर वर्ष हमारी कोशिश होती है कि पूजा को और भव्य और आकर्षक कैसे बनाया जाए। इस पुनीत कार्य में सदस्यों के साथ साथ क्षेत्र के लोगों का काफी सहयोग मिलता है जिसके कारण हमलोग दुर्गा पूजा का सफल आयोजन कर पा रहे हैं। पूजा आयोजन में जुटे समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य इस प्रकार हैंइंद्र अध्यक्षइंद्र सुधीर महतो, सचिवइंद्र अभिषेक मिश्रा, मुख्य संरक्षक सुरेश मंडा, जेपी ओझा, संरक्षक झ ललित मुंडा, बबन सिंह, शंभू सिंह, कोषाध्यक्षइंद्र अजय राय, सह कोषाध्यक्षइंद्र शोचक दुबे, रामाशीष शर्मा, उपाध्यक्षइंद्र प्रदीप कुजुर, उपसचिवइंद्र बिरसू मुंडा, सदस्य- वैभव दुबे, बबलू सिंह, निरंजन भगत, लक्ष्मण भगत, रणजीत सिंह, रितेश सिंह, दशरथ दास, प्रकाश देव, बबलू भगत, रंजीत राय, लखेश्वर भगत के साथ सहयोगी सह मार्गदर्शक के रूप में रिटायर्ड डीएसपी विनोद कुमार, उमेश्वर ओझा, रामभरोस महतो, राजेश दुबे समेत कई बुद्धिजीवी सज्जन बृंद लोगों का योगदान सराहनीय है।

एडीएम को भंडारा में आने का दिया निमंत्रण



रांची: मनोकामना सिद्ध हनुमान मंदिर महाभंडारा आयोजन समिति का एक प्रतिनिधिमंडल रांची के एडीएम से मिलकर उन्हें भंडारा में मंदिर प्रांगण में आने के लिए आमंत्रित किया। एडीएम से आयोजन समिति के अध्यक्ष-लखपति कुमार साहू, उपाध्यक्ष-संदीप कुमार महामंत्री -रंजीत कुमार मंदिर के पुजारी मनोज

कुमार पांडे, कोषाध्याय- दौलत साहब ,संतोष पाठक, मंगल पांडे साहू ,मंत्री -पप्पू साहू अनूप साहू प्रतिनिधि मंडल में यह सभी सदस्य उपस्थित है। उक्त जानकारी कोषाध्यक्ष दौलत कुमार साहू ने दी |जय माता दी।

दुर्गा पूजा पंडाल में दिखेगी पुरानी और आधुनिक संस्कृति की झलक, 21 अक्टूबर को निकलेगी भव्य विसर्जन शोभायात्रा

ट्राइकल हवन कुंड दुर्गा पूजा समिति की तैयारियां जोरों पर, इको-फ्रेंडली पंडाल और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे आकर्षण का केंद्र



मेट्रो रेज

रांची: ट्राइकल हवन कुंड दुर्गा पूजा समिति की ओर से इस वर्ष दुर्गा पूजा को भव्य और आकर्षक बनाने की तैयारियां जोर-शोर से की जा रही हैं। विश्वविद्यालय पार्किंग स्थल, सुभाष चौक एवं रांचीवासियों के लिए आयोजित होने वाले इस पूजा समारोह में इस बार भी श्रद्धालुओं को परंपरा, संस्कृति और आधुनिक तकनीक का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। समिति के नेतृत्व में पूजा

की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। इस वर्ष पूजा पंडाल का मुख्य आकर्षण 'खोई हुई और भूली हुई' चीजों की खोज विषय पर आधारित होगा। इस अनूठी थीम के माध्यम से लोगों को अपनी पुरानी और पारंपरिक जीवनशैली से रूबरू कराने का प्रयास किया जाएगा। समिति का उद्देश्य आधुनिकता की दौड़ में पीछे छूटती जा रही भारतीय संस्कृति, परंपराओं और पुरानी यादों को फिर से जीवंत करना है। पुरानी यादों को जीवंत करेगा



पंडाल: कोलकाता के सुप्रसिद्ध पंडाल कलाकार बुबु दा एवं बापी दा अपनी लगभग 25 सहयोगियों की टीम के साथ दिन-रात पंडाल निर्माण में जुटे हुए हैं। पंडाल में पुराने समय की जीवनशैली, परंपराओं और उन चीजों की झलक प्रस्तुत की जाएगी, जिन्हें आज की पीढ़ी धीरे-धीरे भूलती जा रही है। समिति का मानना है कि पंडाल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से परिचित

कराने का भी एक सशक्त माध्यम है। इको-फ्रेंडली सामग्री से बनेगा पंडाल: इस वर्ष पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए पंडाल का निर्माण पूरी तरह इको-फ्रेंडली सामग्री से किया जा रहा है। इसमें बांस, मिट्टी, जूट, रस्सी, थमोकोल एवं स्पंज सहित विभिन्न सामग्रियों का उपयोग किया जा रहा है। समिति का उद्देश्य प्राकृतिक संसाधनों के महत्व के प्रति लोगों को जागरूक करना है। पंडाल के बाहरी एवं आंतरिक



हिस्सों में आकर्षक विद्युत सज्जा और लाइटिंग की विशेष व्यवस्था की जा रही है, जो श्रद्धालुओं एवं दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र होगी। चतुर्थी से श्रद्धालुओं के लिए खुलेगा पंडाल: समिति के अनुसार, पूजा पंडाल चतुर्थी के दिन श्रद्धालुओं एवं दर्शकों के दर्शन के लिए खोल दिया जाएगा। बारिश की संभावना को देखते हुए समिति के सदस्य और कार्यकर्ता सभी तैयारियों को समय पर पूरा करने में जुटे हैं, ताकि श्रद्धालुओं

को किसी प्रकार की परेशानी न हो। भव्य विद्युत सज्जा और सांस्कृतिक कार्यक्रम: पूजा आयोजन को आकर्षक बनाने के लिए पंडाल में विशेष विद्युत लाइटिंग और सजावट की जा रही है। इस वर्ष पूजा के सफल आयोजन के लिए लगभग 26 से 27 लाख रुपये खर्च किए जाने का अनुमान है। पंडाल निर्माण पर लगभग 15 लाख रुपये, बिजली के कार्य में 3 लाख रुपये, मां दुर्गा की प्रतिमा पर 1.50 लाख रुपये

मुख्य संरक्षक- मृत्युंजय सिंह, मुख्य सलाहकार- शंकर दुबे,अध्यक्ष-जितेंद्र सिंह, संरक्षक- अवध तिवारी, जितेंद्र साव ,बबलू तिवारी,कुमार राजा ,विशाल कृष्णा,सुमित सिंह,सचिव रमेश गुप्ता , कोषाध्यक्ष- राजेश ठाकुर , उपाध्यक्ष- अजय श्रीवास्तव,सतीश ठाकुर ,रोकेश सिंह,बॉबी सिंह, सह सचिव दीपक गुप्ता पूजा प्रभारी ,विनीत तिवारी ,चिंटू गुप्ता, अजीत ठाकुर संदीप ठाकुर प्रदीप ठाकुर,चंदन वर्मा, मिट्टू जायसवाल,सुरज ठाकुर, राज , माहि ,विशाल ठाकुर चिंटू गुप्ता प्रदीप गुप्ता ,राजू गुप्ता,प्रेम ठाकुर,सुजल ,महि पंकज, राज ।

तथा साउंड सिस्टम पर लगभग 2 लाख रुपये खर्च किए जाने की जानकारी दी गई है। इसके अतिरिक्त अन्य व्यवस्थाओं पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सप्तमी, अष्टमी एवं नवमी के अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। उद्घाटन समारोह के साथ झारखंडी सांस्कृतिक परंपराओं और कलाकारों को भी मंच प्रदान किया जाएगा। बाहर से आने वाले कलाकारों द्वारा आकर्षक झांकियां, मंचीय नाटिका एवं अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। श्रद्धालुओं के लिए नवमी के दिन जागरण एवं भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। अष्टमी को खीर और नवमी को खिचड़ी भोग का वितरण किया जाएगा। समिति की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा एवं आयोजन की सफलता के लिए व्यापक तैयारियों की जा रही हैं। 21 अक्टूबर को निकलेगी भव्य विसर्जन शोभायात्रा: दुर्गा पूजा के समापन के पश्चात 21 अक्टूबर को मां दुर्गा की भव्य विसर्जन शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं समिति के सदस्यों के शामिल होने की संभावना है। समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों का कहना है कि उनका प्रयास पूजा समारोह को शांतिपूर्ण, भक्तिमय और सांस्कृतिक वातावरण में संपन्न करना है, ताकि श्रद्धालु मां दुर्गा का आशीर्वाद प्राप्त कर सकें और भारतीय परंपराओं से जुड़ाव महसूस करें।



सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

सर्वभूतेषु माँ अनुभूति

प्रकृति माँ है। मां प्रथमा है। हम सब मां के अंग हैं। मां का ही विस्तार हैं। मां न होती तो हम न होते। मां सृष्टि प्रकृति की आदि अनादि अनुभूति है। मां दिव्य है। मां का अनुभव दिव्यता है। तैत्तिरीय उपनिषद् के ऋषि ने ठीक ही मां को देवता कहा है। देवता दिव्यता की ही घनीभूत अनुभूति है। जहां-जहां दिव्यता, वहां-वहां देवता। प्रकृति का सर्वोत्तम है दिव्यता। पृथ्वी प्रकृति का ही अंश है इसलिए पृथ्वी भी माता है। जल सृष्टि सृजन का प्राचीन घटक है हम पर। अनुकम्पा-आप: मातरम् हैं। माता अपने स्वभाव से ही दाता व विधाता है। वे अपने प्रेम प्रवाह का प्रतिदान नहीं लेती। जीवन प्रकृति का अनुग्रह है। इसमें जल है, अग्नि, वायु, आकाश और पृथ्वी के अंश हैं। प्रकृति देवी है। माता है। इस माता का ऋण है हम पर। अनुकम्पा के प्रति धन्यवादी बने रहना भारतीय संस्कृति है। प्रकृति का दोहन, शोषण यूरोपयी सभ्यता है। प्रकृति का पोषण, संवर्द्धन भारतीय परम्परा है। व्रत, ध्यान आदि आस्था के विषय हैं। मुख्य बात है-प्रकृति में मां देखने की अनुभूति। यह अनुभूति सर्वभूतेषु मातृरूपेण प्रतीति है। यही देवी उपासना है। देवी उपासना प्रकृति का ही नीराजन है। दुर्गा सप्तशती (पांचवें अध्याय) में कहते हैं, हूजो परम दिव्यता देवी मां के रूप में हरेक तत्व में उपस्थित है, उन्हें अनेक बार नमस्कार है-या देवी सर्वभूतेषु मातृरूपेण संस्थिता नमस्तस्ये नमस्तस्ये नमो नम:। यह दिव्यता अनेक रूपों में भी प्रकट होती है, अनेक भावों में भी उगती हैं। ऋषि गाते हैं हूजो देवी लज्जा, क्षमा और चेतना आदि के रूप में सभी तत्वों में उपस्थित हैं, उसे अनेकश: नमस्कार है। ये नमस्कार भावजगत की गहराई से उगे हैं। वे सामान्य कर्मकाण्ड नहीं हैं। देवी दर्शन में सामने मूर्ति होती है। देखने में ही यह मूर्ति है, दर्शन में नहीं। हम मूर्त शरीर में यंत्र हैं लेकिन भीतर यंत्र हैं। मूर्ति के पार विराट अस्तित्व है। अस्तित्व मां है। हम उसके अंश। अन्य उपासनाओं में हम तरल सरल नहीं होते। मां उपासना में सुविधा है। हम शिशु हैं और अस्तित्व मां। प्रकृति दिव्य है, इस दिव्यता की अनुभूति दिव्-काल में नहीं रहने देती। प्रसन्नता आह्लाद या पीड़ा छुपाए नहीं जा सकते। हम लाख जतन करें-प्रसन्नता केन्द्र से फैलकर परिधि पर आ ही जाती है। दिव्यता की अनुभूति सामान्य प्रसन्नता नहीं है। दिव्यता सम्पूर्णता की ही आभा और प्रभा है। यही अनुभूति ह्रनमस्तस्ये नमस्तस्ये, नमो नम:ह्र में प्रकट हुई है। प्रकृति में अनेक रंग, अनेक रूप। बहुरूपधारी वनस्पतियां, कीट, पतंग, पशु, पक्षी, मनुष्य, नक्षत्र, चन्द्र, सूर्य और पर्वत। लेकिन सबके भीतर एक चैतन्य आत्म गतिशील है। गीत एक है और छन्द अनेक। गंगा एक घाट बहुतेरे। जल एक है नदी, पोखर, झील, समुद्र, बादल, वर्षा अनेक रूप हैं। अग्नि एक हैं। एक ही अग्नि तत्व सभी रूपों में रूप प्रतिक्रुप हो रहा है। यम ने नचिकेता को कठोपनिषद् की कथा में बताया था ह्रअग्निथेको भुवनं प्रावेष्टो रूपं रूपं प्रतिक्रुपो भवूव - अग्नि है। वही अग्नि हरेक रूप में प्रविष्ट होकर उसी के अनुरूप हो जाते हैं। प्रकृति के सभी रूप एक ही चेतना का प्रकटीकरण हैं। ह्रया देवी सर्वभूतेषु चेतन विधीयतेह्र में सभी तत्वों में चेतना के रूप में उपस्थित देवी को नमस्कार है। सभी तत्व परस्पर अन्तर्सम्बन्धी है। महाऊर्जा एक है। वही दुर्गा है और वही महालक्ष्मी, काली या सरस्वती। हम अपनी सुविधानुसार प्रतीक चुनते हैं। छन्दस प्रिय वीणावादिनी सरस्वती में मातृत्व देखते हैं और शक्ति अभीप्सु दुर्गा में। धनप्रेमी लक्ष्मी के साथ जुड़ते हैं। लेकिन सारे रूप, प्रतीक या प्रतिमान हैं। हमारे चित्त का ही रूपान्मन। हमारी आस्तिकता की दिव्य अभीप्सा। प्रकृति भी आस्तिक है। विंध्य पर्वत अतिप्राचीन है। यहां लाखों देवी उपासकों की भीड़ जुटती है। देवी को विंध्यवासिनी कहा जाता है। लेकिन इस क्षेत्र को एक और खूबसूरत नाम मिला है-विंध्योचल। मुझे यह नाम बड़ा प्यारा लगता है। मां के आंचल का विस्तार है-विंध्योचल। आंचल आश्चरित है। हम सब शैशव में बहुत रोये चिल्लाए हैं। स्मरण है कि मेरी चिल्लपों पर बड़ों ने डाटा तो और जोर से चिल्लाए। मां ने उठा लिया, सुबकने लगे। मां ने आंचल में लिया तो फिर से मुस्कान। क्या प्रत्यक्ष इस भौतिक सत्य को अंधविश्वास कह सकते हैं? मैं स्वयं विंध्योचल जाता हूं। बहुत पढ़ा-सुना है इस शक्तिपीठ के सम्बंध में। हमारा मन निर्णायक नहीं है। नास्तिकता कहती है कि यह व्यर्थता है लेकिन आस्तिकता उपासना के लिए प्रेरित करती है। देवी उपासना का क्षेत्र व्यापक है। असम में है ही कोलकाता में काली दर्शन की भीड़ लगती है। अव्यवस्था का राज यहां भी पीड़ादायी है। जम्मू में वैष्णव देवी की उपासना शिखर पर्वत पर है। सभी शक्तिपीठ अपनी तमाम कथाओं और रहस्यों से भरेपूरे हैं। प्रकृति सभी प्राणियों की जननी है। जी0 राधाकृष्णन ने गीता (14.4) के भाष्य में कहा है ह्रसभी जीवित रूपों की माता प्रकृति है ह्रप्रकृति से हमारा सम्बन्ध मां और संतति का है। उपासना या भक्ति के प्रारम्भ में हम ह्रदोह्रद होते हैं। एक माता और दूसरे हम। लेकिन सामान्य समझ में मां और हम दो नहीं हैं। प्रकृति विकासमान है। सांख्य चिन्मन में विचार प्रकृति विकास का अगला रूप है। हमारा रूप प्रकृति का ही रूप है। हमारे गुण प्राकृतिक हैं। सभी रूप प्रकृति के ही रूप हैं। हम अपनी सुविधा के लिए उन्हें अनेक नाम देते हैं। दुर्गा, काली, सरस्वती, शाकम्भरी, महामेधा, कल्याणी, वैष्णवी, पार्वती आदि-आदि। नाम स्मरण बोध में सहायक हैं। असली बात है-मां या देवी सर्वभूतेषु मातृरूपेण संस्थिता, नमस्तस्ये, नमस्तस्ये नमो नम:। अंधविश्वास या आस्था का कोई प्रश्न नहीं। विज्ञान प्रकृति में पदार्थ और ऊर्जा देख चुका है। समूची प्रकृति एक अखण्ड इकाई है। इस अखण्ड इकाई का नाम क्या रखें? कठिनाई बड़ी है। नाम रखते ही रूप का ध्यान आता है। रूप की सीमा है। अखण्ड प्रकृति अनंत है। असीम और अव्याख्येय। माँ प्रत्येक जीव की आदि अनादि अनुभूति है। माँ की देह का विस्तार ही हम सबकी काया है। मां न होती तो हम न होते। मां प्रत्यक्ष ब्रह्म है। आत्मीय ब्रह्म है। ऋग्वेद का सुपरिचित पुरुष है। यही पोषक पालक अद्विit है। उसका स्पर्श सर्वोत्तम प्यार है। भारतीय परम्परा का ईश्वर या भगवान सुपरिचित शक्ति नहीं है। उसकी स्तुति भी ह्रत्वमेव माता-आप माता हैंह्र से शुरू होती है और त्वमेव पिता, बंधु मित्र तक विस्तार पाती हैं। अस्तित्व का सबसे बड़ा गुण है मां जैसा होना। माँ स्वाभाविक ही दिव्य हैं। देवी हैं, पूज्य हैं, वरेण्य हैं, नीराजन और आराधन के योग्य हैं। मार्कण्डेय ऋषि ने ठीक ही दुर्गा सप्तशती (अध्याय 5) में ह्रया देवी सर्वभूतेषु मातृरूपेण संस्थिता बताकर नमस्तस्ये, नमस्तस्ये नमस्तस्ये नमोनम:ह्र कहकर अनेक बार नमस्कार किया है। माँ का रस, रक्त और पोषण ही प्रत्येक जीव का मूलोधार है। हम माँ का विस्तार हैं सो मां जैसी सर्जक पालक शक्ति के निकट होना आनंददायी है। सप्तशती में संसार की सारी विद्याओं को भी मां देवी देखा गया है ह्रविद्या समस्ता तव देवि भेदा ह्रजो देवी सभी तत्वों में माँ के रूप में उपस्थित है, उसे बारम्बार नमस्कार है-या देवी सर्वभूतेषु मातृरूपेण संस्थिता नमस्तस्ये नमस्तस्ये नमस्तस्ये नमो नम:।

शा

रेदेय नगरात्रों में एक बार फिर हम स्त्री शक्ति के नौ रूपों की पूजा करेंगे। नवरात्र में जो नव उपसर्ग हैं, वे नौ की संख्या के साथ-साथ नूतनता के भी प्रतीक हैं। इस अर्थ में वे परिवर्तन के सूचक हैं। ये रूप-शक्ति, स्त्रीत्व और समृद्धि के प्रतीक भी हैं। इन स्वरूपों की पूजा करते हुए स्त्री रूपी इन देवियों के भव्य रूप हमारी चेतना में उपस्थित रहते हैं। इन्हें शक्ति रूप इसलिए कहा जाता है क्योंकि जब सृष्टि के सृजन काल में देव पुरुष, दानवों से पराजित हुए तो उन्हें राक्षसों पर विजय के लिए दुर्गा से अनुनय

प्रमोद भार्गव

करना पड़ा। एक अकेली दुर्गा ने विभिन्न रूपों में अवतरित होकर अनेक राक्षसों का नाश कर सृष्टि के सृजन को व्यवस्थित रूप देकर गति प्रदान की। प्रतीक रूप में ये रूप अंततः मनुष्य की ही विभिन्न मनोदशाओं के परिष्कार से जुड़े हैं। इन मनोदशाओं को राक्षसी प्रवृत्ति कह सकते हैं, जो मनुष्य की नकारात्मक विकृतियों के भी प्रतीक हैं। इन रूपों के महत्व को जानते हैं। नवदुर्गा में शैल पुत्री प्रथम दुर्गा मानी जाती हैं। इनके हाथों में त्रिशूल और कमल पुष्प सुशोभित हैं। इनका वाहन वृषभ है। शैल पुत्री अपने पूर्वजन्म में दक्ष प्रजापति की कन्या थीं और इनका नाम सती रखा गया। पिता की इच्छा के विरुद्ध सती ने भगवान शिव से विवाह किया। दक्ष ने एक बार महायज्ञ का आयोजन किया। किंतु इसमें शिव व सती को आमंत्रित नहीं किया। इसे सती ने शिव का अपमान माना और बिना बुलाए ही यज्ञस्थल पर पहुंच गईं। बाद में उन्होंने अपने पिता को शिव को आमंत्रित करने के लिए बाध्य किया। किंतु प्रजापति ने शिव का उपहास उड़ाया और उन्हें बुलाने से इनकार कर दिया। तब सती ने क्रोधित

होकर यज्ञकुंड में कूंदकर प्राणों का आहुति दे दी। शिव को जब सती के प्राण त्यागने का समाचार मिला तो उन्होंने अपने गणों को भेजकर यज्ञ का विध्वंस करा दिया। बाद में शिव सती के जले शव को कंधे पर लेकर भटकते रहे। पुराणों में उल्लेखित है कि इस दौरान सती के अंग बारह स्थानों पर गिरे। उन्हें बारह ज्योतिर्लिंग की मान्यता प्राप्त है। अगले जन्म में यही सती शैलराज हिमालय के घर में पैदा हुई और शैलपुत्री कहलाई। उन्हें ही पार्वती कहा जाता है। दुर्गा का दूसरा रूप ब्रह्मचारिणी का है, श्वेत वस्त्रधारी ब्रह्मचारिणी के एक हाथ में जमाला और दूसरे में कमंडल है। ब्रह्मचारिणी का जन्म पर्वतराज हिमालय की पत्नी मैना के गर्भ से हुआ था। पहले इनका नाम शुभ लक्ष्णों को देखते हुए पार्वती रखा गया। बाद में नारद मुनि ने हिमालय को बताया कि यही पार्वती पूर्व जन्म में सती थीं। इस रहस्य को जानने के बाद पार्वती में शिव को प्राप्त करने की इच्छा जागृत हो गई। इसके लिए देवी ने कठिन तपस्या की। इससे उनका शरीर कृशकाया में बदल गया। तपस्या से तीनों लोकों में हाहाकार मच गया। तब ब्रह्मा ने उनके समक्ष उपस्थित होकर मनचाहा वर मांगने की प्रार्थना की। पार्वती ने शिव को मांगा। ब्रह्मा ने पार्वती को आशीर्वाद तो दिया ही, उनकी काया को भी सुंदर रूप में बदल दिया। यहीं ब्रह्मा ने तप का आचरण करने के कारण ब्रह्मचारिणी का नाम दिया। नवरात्रों के तीसरे दिन दुर्गा के शरीर से नई शक्ति के रूप में चंद्रघंटा की वंदना की जाती है। सिंह पर सवार ये देवी निडरता के साथ सौत्यार के गुणों से भी भरपूर हैं। इनके आभामंडल से अदृश्य शक्ति का विकिरण होता रहता है। इनके शरीर का वर्ण स्वर्ण है। इनके दस हाथ हैं, जिनमें खड्ग, अस्त्र-शस्त्र, बाण आदि विभूषित हैं। देवासुर संग्राम में इनके घंटे की भयानक ध्वानि से सैंकड़ों दैत्य मारे गए थे। इनकी मुद्रा हमेशा युद्ध के लिए तत्पर दिखाई देती है। दुर्गा का चौथा स्वरूप कूष्मांडा देवी का है। इनका

निवास सूर्यलोक में है इसलिए इनके शरीर की कांति और आभा सूर्य के समान सदैव प्रकाशित रहती है। सृष्टि के संपूर्ण प्राणियों में इन्हीं देवी का आलोक प्रदीप्त है। जब ब्रह्माण्ड का अस्तित्व नहीं था और चारों ओर अंधेरा था, तब इन देवी ने अपनी मंद मुस्कान द्वारा अंड अर्थात ब्रह्माण्ड की उत्पत्ति की। इसी कारण इन्हें कूष्मांडा कहा गया। सिंह पर सवार कूष्मांडा अष्ट भुजाधारी हैं। इनके हाथों में कमण्डल, धनुष-बाण, कमल-पुष्प, अमृत-कलश, चक्र गदा और सभी प्रकार की सिद्धियां व जपमाला सुशोभित हैं। दुर्गा का पांचवां रूप स्कंद माता का है। सिंह पर सवार कूष्मांडा अष्ट भुजाधारी हैं। इनके हाथों में कमण्डल, धनुष-बाण, कमल-पुष्प, अमृत-कलश, चक्र गदा और सभी प्रकार की सिद्धियां व जपमाला सुशोभित हैं। दुर्गा का पांचवां रूप स्कंद माता का है। सिंह पर सवार कूष्मांडा अष्ट भुजाधारी हैं। इनके हाथों में कमल पुष्प हैं एक हाथ वरदान की मुद्रा में है और दूसरा हाथ पुत्र स्कंद को गोद में लिए है। इस कारण ये पद्मासना देवी भी कहलाती हैं। इनके बाद छठे दिन देवी कात्यायनी की पूजा की जाती है। कात्य नामक ऋषि की वंशावली में एक प्रसिद्ध ऋषि कात्यायन हुए हैं। ये दुर्गा के भक्त थे। इस भक्ति से प्रसन्न होकर दुर्गा ने कात्यायन को कोई वर मांगने को कहा। तब महर्षि ने दुर्गा से अपने घर में पुत्री के रूप में जन्म लेने का आग्रह किया। दुर्गा ने यही वरदान दे दिया। कुछ समय बाद जब पृथ्वी पर महिषासुर नाम के असुर का अत्याचार बढ़ गया, तब दुर्गा के तेज से कात्यायन की पत्नी की कोख से देवी कात्यायनी ने जन्म लिया। पुराणों में ऐसा कहा गया है कि इस तेज में ब्रह्मा, विष्णु और महेश की तेज का भी समावेश है। चार भुजाधारी कात्यायनी का वाहन सिंह है। इनकी चार भुजाओं को धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष का प्रतीक माना गया है। दुर्गा के सातवें रूप को देवी कालरात्रि के नाम से जाना जाता है। इनकी काया अमावस्या की गहरी काली रात की तरह काली है। इनके मस्तक पर तीन नेत्र विद्यमान हैं, जो ब्रह्मांड के समान गोल तथा तीन लोकों के प्रतीक हैं। इनके केस घने एवं बिखरे

आरटीआई: दो दशकों का सफर और चुनौतियां

यह स्वतंत्र भारत के इतिहास में सरकार और जनता के रिश्ते को पुनर्परिभाषित करने वाली युगांतकारी घटना थी।

इसको लागू होने के दो दशक से अधिक समय के बाद गौर करने की जरूरत है कि यह कानून अपने उद्देश्य में

कितना सफल रहा और कौनसी चुनौतियों से घिर गया है। संविधान के अनुच्छेद-19 के तहत अभिव्यक्ति की

स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार के रूप में उभरे इस अधिकार ने आम आदमी को जवाबदेही मांगने का अचूक औजार दिया।

12

स्वतंत्र भारत के इतिहास में सरकार और जनता के रिश्ते को पुनर्परिभाषित करने वाली युगांतकारी घटना थी। इसको लागू होने के दो दशक से अधिक समय के बाद गौर करने की

आत्मदीप

जरूरत है कि यह कानून अपने उद्देश्य में कितना सफल रहा और कौनसी चुनौतियों से घिर गया है।

संविधान के अनुच्छेद-19 के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार के रूप में उभरे इस अधिकार ने आम आदमी को जवाबदेही मांगने का अचूक औजार दिया। लोगों को भरोसा दिया कि सरकारी खजाने की पाई-पाई पर उनका हक है और सरकारी तंत्र सीधे तौर पर जनता के प्रति जवाबदेह है। आरटीआई ने सत्ता के गलियारों में बंद फाइलों को जनता के सामने लाने का बड़ा काम किया। बंद कमरों में चलने वाली शासन व्यवस्था को

लोगों के आगे बेपर्दा किया। नतीजे में जानने के हक ने राशन वितरण से लेकर अरबों रुपए के घोटालों को उजागर करने में निर्णायक भूमिका निभाई। इसने लोगों को सिर्फ वोट देने वाले मतदाता से आगे बढ़कर सजग-सतर्क पहरेदार बना दिया। इसने स्वीकृत बजट व खर्च, सार्वजनिक नीतियों, प्रशासनिक निर्णयों आदि में पारदर्शिता लाने में मदद की। सरकारी तंत्र की मनमानी पर प्रभावी अंकुश लगाया।

पर 21 बरस बाद भी यह कानून गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा है। लोक सूचना अधिकारी अक्सर धारा 8 व 11 का दुरुपयोग करते हुये सूचना देने से बचने का प्रयास करते हैं। वे आरटीआई के निराकरण के लिये निर्धारित 30 दिन की अधिकतम अवधि में जानकारी नहीं देते या अधूरे / भ्रामक दस्तावेज देकर खानापूति करते हैं। आरटीआई व प्रथम अपील के निपटारे की तय सीमा की अनदेखी करना आम चलन बन चुका है।

2019 में इस कानून में संशोधन कर सूचना आयुक्तों का दर्जा, कार्यकाल व वेतन घटा कर इस अधिकार के संरक्षक सूचना आयोगों की महत्ता कम कर दी गई। आयुक्तों के कार्यकाल व वेतन को आरटीआई एक्ट में निर्धारित प्रावधान से हटा कर सरकार के अधीन कर देने से आयोगों की स्वायत्तता, संस्थागत स्वतंत्रता प्रभावित हुई है। वहीं, डिजिटल व्यक्तिगत डेटा

संरक्षण कानून के जरिये धारा 8 (1)(जे) के मूल प्रावधान को खत्म कर व्यक्तिगत गोपनीयता के नाम पर सार्वजनिक महत्व की जानकारी भी छिपाने का औजार नौकरशाही को दे दिया गया है। आरटीआई एक्ट की इस मूल धारा में किये गये आमूलचूल बदलाव ने सार्वजनिक जवाबदेही से जुड़े. मामलों में भी व्यक्तिगत जानकारी का बहाना बनाकर सूचना छिपाने का रास्ता खोल दिया है। केंद्रीय सूचना आयोग व राज्य सूचना आयोगों में लम्बित मामलों का लगातार बढ़ता अंबार ह्रस्वमय पर न्यायब्ह की संवैधानिक अपेक्षा पर पानी फेर रहा है। आयोगों में करीब 4 लाख अपीलें व शिकायतें लम्बित पड़ी हैं। कई आयोगों में एक मामले के निपटारे में 2 से 4 वर्ष तक का लंबा समय लग रहा है। यह देरी मांगी गई सूचना की प्रासंगिकता को ही खत्म कर दे रही है। इसकी सबसे बड़ी वजह है समय पर और पर्याप्त संख्या में सूचना आयुक्तों की नियुक्तियां नहीं करना।

ज्यादातर सरकारें मुख्य सूचना आयुक्त व सूचना आयुक्तों के पद रिक्त होने से पहले नई नियुक्तियों की प्रक्रिया शुरू नहीं करती। नतीजे में ये पद लंबे समय तक खाली रहते हैं। इससे आयोगों में लम्बित मामले बढ़ते जाते हैं। कुछ राज्यों में तो सभी पद रिक्त होने से आयोगों का काम लंबे समय तक ठप रहा है। ऐसे में हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक को दखल

देकर नई नियुक्तियां करने के निर्देश देने पड़े हैं।

नये आयुक्तों के नियुक्त होने तक रिटायर होने वाले आयुक्तों का कार्यकाल बढ़ाने का प्रावधान कर यह समस्या हल की जा सकती है। जैसे कि सुप्रीम कोर्ट की अनुमति से केन्द्र सरकार एनजीटी के सेवानिवृत्त होने जा रहे सदस्यों का कार्यकाल नई नियुक्तियां होने तक बढ़ा रही है। अब तक सूचना के अधिकार की पहुंच देश की सिर्फ 2 प्रतिशत आबादी तक ही हो पाई है। ग्रामीण क्षेत्रों, महिलाओं, वंचित तबकों व अल्पसंख्यकों का बड़ा हिस्सा इस अधिकार का इस्तेमाल नहीं कर पा रहा है। इसके प्रति शासन-प्रशासन का उदासीन रवैया भी निराशाजनक रहा है।

आरटीआई को सुशासन के उपकरण के रूप में देखने की बजाय सरकारी कामकाज में बाधा की शकल में देखने के अनुचित रवैये में सुधार की शक्ति जरूरत है। आरटीआई को स्कूली सिलेबस में शामिल किया जाना चाहिये। आरटीआई को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिये पंचायत, ब्लॉक व जिला स्तर पर आरटीआई सहायता केंद्र संचालित किये जाने चाहिये और जन जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिये।

(लेखक , मध्यप्रदेश शासन में पूर्व सूचना आयुक्त रहे हैं)

नौ देवियों में छिपा जीवन को समर्थ बनाने का रहस्य

इस सृष्टि में जो कुछ भी गतिशील है, उसके पीछे ऊर्जा का एक मूलभूत सिद्धांत कार्य करता है। वाहन नदियां अथवा विद्युत से चलते हैं, विमान आवश्यक शक्ति के माध्यम से

आकाश में उड़ते हैं, नदियां प्रवाहित होती हैं, बीज अंकुरित होते हैं और वृक्ष विकसित होते हैं। प्रकृति का प्रत्येक परिवर्तन किसी न किसी रूप में शक्ति के प्रवाह और रूपांतरण से जुड़ा है। मानव जीवन भी इसी व्यापक व्यवस्था का हिस्सा है। हम जिस उत्साह के साथ दिन की शुरुआत करते हैं, जिस स्पष्टता से निर्णय लेते हैं, जिस एकाग्रता से कार्य करते हैं और जिस भावनाओं के साथ जीवन का अनुभव करते हैं, उनका गहरा संबंध हमारी शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक अवस्था से है। स्वास्थ्य, विचार, संकल्प, व्यवहार और उपलब्धियां हमारे भीतर उपलब्ध सामर्थ्य से प्रभावित होती हैं। जीवन की गुणवत्ता का संबंध केवल बाहरी परिस्थितियों से नहीं, बल्कि हमारी आंतरिक स्थिति से भी है।



जीवन समर्थ बनाने का अवसर

नवरात्रि केवल धार्मिक अनुष्ठानों और उत्सवों का पर्व नहीं, बल्कि जीवन के प्रति एक व्यापक दृष्टिकोण विकसित करने की प्रेरणा भी है। ये नौ दिव्य रात्रियां हमें अपने स्वास्थ्य, विचारों, भावनाओं, संबंधों और आध्यात्मिक चेतना पर विशेष ध्यान देने का अवसर प्रदान करती हैं। हम प्रतिदिन परिवार, व्यवसाय, शिक्षा, सामाजिक उत्तरदायित्वों और भविष्य की योजनाओं के लिए समय निकालते हैं। किंतु जिस शरीर और मन

के माध्यम से हम इन सभी कार्यों को पूरा करते हैं, उनके विकास के लिए कितना समय समर्पित करते हैं? नवरात्रि इसी महत्वपूर्ण प्रश्न पर विचार करने का अवसर है। भारतीय दर्शन में शक्ति को सृजन, संरक्षण और परिवर्तन का आधार माना गया है। मां दुर्गा के नौ स्वरूप इसी दिव्य शक्ति के विविध आयामों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

आरोग्य और जीवन का आधार

नवरात्रि की प्रथम रात्रि मां शैलपुत्री को समर्पित है। वे स्थिरता, दृढ़ता और जीवन

के आधार का प्रतीक हैं। उनकी उपासना, हमें आरोग्य और शारीरिक सामर्थ्य के महत्व का स्मरण कराती है। स्वस्थ जीवन ही दीर्घकालीन उपलब्धियों और संतुलित विकास की मजबूत नींव बनता है।

लय, धैर्य, अनुशासन और संकल्प

द्वितीय रात्रि मां ब्रह्मचारिणी की आराधना होती है। उनका स्वरूप तप, अनुशासन, धैर्य और संकल्प का प्रतीक है। जीवन में किसी भी श्रेष्ठ उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए निरंतर अभ्यास और आत्मसंयम आवश्यक है।

सजगता, साहस और संरक्षण

तृतीय रात्रि मां चंद्रघंटा की उपासना साहस, सजगता और संरक्षण की भावना को जागृत करती है। जीवन में चुनौतियां स्वाभाविक हैं, किंतु उनका सामना करने के लिए मानसिक संतुलन और आत्मविश्वास विकसित करना महत्वपूर्ण है।

सृजन शक्ति और समृद्धि

चतुर्थ रात्रि मां कूष्मांडा को समर्पित है, जिन्हें सृष्टि की सृजनात्मक शक्ति का स्वरूप माना जाता है। उनकी आराधना रचनात्मकता, उत्साह, समृद्धि और नई संभावनाओं की प्रेरणा देती है। मनुष्य अपनी कल्पनाशक्ति, परिश्रम और विवेक से जीवन में प्रगति के नए मार्ग बना सकता है।

प्रेम और पारिवारिक संबंध

पंचम रात्रि मां स्कंदमाता की उपासना प्रेम, वात्सल्य, करुणा और पारिवारिक संबंधों का महत्व समझाती है। जीवन की वास्तविक समृद्धि में आत्मीयता, पारस्परिक सम्मान और दूसरों के कल्याण की भावना का महत्वपूर्ण स्थान है।

पराक्रम, दृढ़ता और विजय

षष्ठ रात्रि मां कात्यायनी को समर्पित है। उनका स्वरूप पराक्रम, दृढ़ निश्चय और विजय का प्रतीक है। यह रात्रि हमें अपने उद्देश्यों के प्रति साहसपूर्वक आगे बढ़ने और बाधाओं के बीच भी सही दिशा बनाए रखने की प्रेरणा देती है।

मेट्रो रैज की ओर से स्वाताधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक :** लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवारों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फ़ोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** **www.metrorays.in** **email :** **metrorays.ranchi@gmail.com**



पूर्व विधायक ने रूपी सोरेन को दी श्रद्धांजलि
बरही : पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला यादव ने नेमरा गांव पहुंचकर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की माता स्वर्गीय रूपी सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।इस दौरान पूर्व विधायक ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की। उन्होंने इस दुख की घड़ी में मुख्यमंत्री और उनके परिवार के प्रति अपनी सहानुभूति प्रकट की। श्री अकेला ने कहा कि मां का स्नेह, त्याग और आशीर्वाद हर संतान के जीवन में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। मां का निधन परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत रूपी सोरेन की आत्मा को शांति प्रदान करने तथा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सहित पूरे परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की।इस अवसर पर संजय यादव, नवीन यादव और विवेक सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

जीके ओलंपियाड में विद्यार्थियों में दिखा उत्साह
बरकट्टा : प्रखंड के कपका स्थित पीएम इंटरनेशनल स्कूल में रविवार को सामान्य ज्ञान ओलंपियाड का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बड़े ही उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया और अपने सामान्य ज्ञान, बौद्धिक क्षमता एवं तार्किक सोच का प्रदर्शन किया।इस अवसर पर संस्था के निदेशक सत्येंद्र प्रसाद ने बताया कि इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में सामान्य ज्ञान के प्रति रूचि विकसित करना,उनकी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को बढ़ाना तथा उन्हें भविष्य की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए प्रोत्साहित करना है।वहीं प्रबंध निदेशक वीरेंद्र प्रसाद ने कहा कि इस प्रकार की शैक्षणिक गतिविधियों विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ऐसे आयोजन से बच्चों में आत्मविश्वास और प्रतियोगी भावना का विकास होता है। परीक्षा के सफल आयोजन में विद्यालय के शिक्षक सुजीत कुमार रजक, कंचन कुमारी, काजल कुमारी एवं सभी शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

दुर्गा पूजा के सफल आयोजन को लेकर ग्रामीणों ने की बैठक

बरकट्टा : प्रखंड क्षेत्र के ग्राम घंघरी में दुर्गा पूजा मनाने को लेकर ग्रामीणों की बैठक हुई। दुर्गा मंदिर परिसर में आयोजित बैठक की अध्यक्षता प्रमानंद सिंह ने की व संचालन ललन यादव ने किया। मौके पर झुरझुरी मुखिया सुमन कुमार मुख्य रूप से मौजूद थे। बैठक में सर्वसम्मति से पूजा समिति के अध्यक्ष प्रेम नारायण सिंह, सचिव उमेश प्रसाद यादव तथा कोषाध्यक्ष पणु यादव को चयन किया गया। नवचर्यनित पदाधिकारियों ने इस वर्ष दुर्गा पूजा धूमधाम से मनाने का निर्णय लिय इस अवसर पर बैठक में बौरेन्द्र शर्मा, धानेश्वर यादव, पवन कुमार, राजकुमार चौधरी, शंकर गुप्ता, रामेश्वर प्रसाद, धनेश्वर यादव, डेलू गुप्ता, लालमोहन प्रसाद, सोबरन प्रसाद समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

मधुमक्खियां के हमले से कई लोग घायल

बरकट्टा : प्रखंड क्षेत्र के ग्राम लगनवा शिलाडीह में मधुमक्खियों के हमले में आधा दर्जन लोगों की स्थिति गंभीर हो गई। रविवार को मधुमक्खियों के हमले में ग्राम लगनवा निवासी कंचन देवी, कारू पासवान, लीलधारी पासवान, सुखदेव पासवान समेत अन्य लोग शामिल हैं। जिन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरकट्टा से चिकित्सक ने सभी को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल हजारीबाग रेफर कर दिया। जानकारी हो कि एक दिन पहले बरकट्टा प्रखंड मुख्यालय परिसर में भी मधुमक्खियों के हमले में कई लोग जख्मी हो गये थे।

बुचई में फुटबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ, नेवाड़ी ने लोकिया को 1-0 से हराया

बरकट्टा : प्रखंड क्षेत्र के बुचई में नवयुवक क्लब की ओर से फुटबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ किया गया। फुटबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन पिछड़ा वर्ग के अध्यक्ष सह पूर्व विधायक जानकी प्रसाद यादव ने नारियल फोड़कर एवं फीता काटकर किया। मैच लोकिया और नेवाड़ी की टीमों के बीच खेला गया। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने जीत के लिए जोरदार प्रदर्शन किया। रोमांचक मुकाबले में नेवाड़ी की टीम ने लोकिया को 1-0 से पराजित कर जीत दर्ज की। मैच देखने के लिए मैदान में सैकड़ों की संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य कुमकुम देवी, उपप्रमुख सुरजी देवी, जेलकिएएम नेता महेंद्र प्रसाद, मुखिया शंकर रविदास, उर्मिल महतो, पूर्व मुखिया दशरथ यादव, पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि संतोष शर्मा, समाजसेवी अर्जुन राणा, झरिकानाथ पासवान, सहदेव यादव, संजय यादव, अजीत यादव, विकास यादव, अंजू देवी, रीना देवी एवं काली यादव सहित अन्य गणमान्य लोग और सैकड़ों खेल प्रेमी उपस्थित थे।

वार्ड 34 में दो पीसीसी सड़कों का होगा निर्माण

हजारीबाग : हजारीबाग नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या 34 में सड़क सुविधा को बेहतर बनाने की दिशा में दो पीसीसी पथों के निर्माण कार्य का शिलान्यास रविवार को हजारीबाग लोकसाभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने किया। नगर विकास एवं आवास विभाग के नागरिक सुविधा मर से इन सड़कों का निर्माण कराया जाएगा। इसके तहत रेखा रानी के घर से खेलानन की दुकान तक तथा बासुदेव साव के घर से बाबा पथ तक पीसीसी पथ का निर्माण किया जाएगा। इन सड़कों के बनने से स्थानीय लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और क्षेत्र की बुनियादी नागरिक सुविधाएं मजबूत होंगी। शिलान्यास कार्यक्रम में हजारीबाग के महापौर अरविंद राणा, उपमहापौर अविनाश कुमार यादव, वार्ड 34 के पाषंद कैलाश कुमार, टिंकू यादव, विनोद यादव, रामविलास पासवान, राजेंद्र साव, संतोष साव, बिरजू साव सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए आगे आए पान्र नागरिक : राजेंद्र प्रसाद

बरही : धनवार पंचायत के मुखिया राजेंद्र प्रसाद ने पंचायत के सभी प्रयुद्धजनों एवं मतदाताओं से अपील की है कि जिन पात्र नागरिकों का नाम अब तक मतदाता सूची में दर्ज नहीं हुआ है, वे फॉर्म-6 भरकर अपने बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) के पास काम करें, ताकि एसआईआर- 2026 के तहत उनका नाम मतदाता सूची में शामिल किया जा सके। मुखिया ने कहा कि जिनका जन्म 1 अक्टूबर 2008 को या उससे पहले हुआ है और जिनका नाम अभी तक मतदाता सूची में दर्ज नहीं है, वे फॉर्म-6 भरकर आवेदन करें। विशेष रूप से वैसे युवा, जो 1 अक्टूबर 2026 तक 18 वर्ष या उससे अधिक की आयु पूरी कर रहे हैं, वे मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए संबंधित बीएलओ से संपर्क करें।

बरही की सफाई के लिए निगरानी समिति गठित करने की मांग

बरही : मोदी विचार मंच के अध्यक्ष राजेंद्र स्वर्णकार ने बरही को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए स्वच्छता निगरानी समिति गठित करने की मांग की है। उन्होंने बरही चौक सहित चारों मार्गों की नियमित सफाई और कचरा निपटान की स्थायी व्यवस्था करने पर जोर दिया है। श्री स्वर्णकार ने बताया कि इस संबंध में वह बरही विधायक मनोज कुमार यादव, सांसद मनीष जायसवाल, जिला परिषद अध्यक्ष, उपविकास आयुक्त, उपायुक्त, बरही एसडीओ और एसडीपीओ को सुझाव पत्र भेजेंगे। उन्होंने कहा कि प्रखंड प्रमुख को पहल पर बरही चौक की सफाई कराई गई, लेकिन नियमित और स्थाई व्यवस्था नहीं होने से दोबारा कचरा जमा होने की आशंका है। इसके लिए चौक और चारों मार्गों पर जगह-जगह कूड़ेदान लगाने, कचरे के उचित निपटान और अतिक्रमण हटाने की जरूरत है।

खेलो झारखंड राज्य स्तरीय अंडर 17 वर्ष फुटबॉल में साहिबगंज जिला बना उपविजेता

खेलो झारखंड राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता बालक अंडर 17 वर्ष में जिले की टीम रही थी उपविजेता

संवाददाता
साहिबगंज : झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद रांची द्वारा 7-8 अक्टूबर को रांची के खेल गाँव होटवार रांची में संपन्न झारखंड

जैन समाज ने किया आचार्यश्री के संयम दीक्षा दिवस का आयोजन

संवाददाता
रामगढ़ : दिगंबर जैन समाज ने रविवार को रांची रोड स्थित पारसनाथ जिनालय में आचार्य भगवन परम पुण्य वसुनंदी जी का 38 वां दीक्षा दिवस का आयोजन किया। ज्ञात रहे कि आचार्यश्री के दो परम प्रभावक शिष्यों मुनिश्री 108 प्रज्ञानंद जी एवं मुनिश्री कुलानंद जी का मंगलकारी चातुर्मास रामगढ़ में चल रहा है। मुनिसंघ के सानिध्य में विगत चार माह से समस्त जैन समाज में धर्म, संयम, एवं त्याग की सरिता प्रवाहित हो रही है। इसी क्रम में मुनिसंघ के सानिध्य में उन्ही के मुखारविन्द से शांतिनाथ महामण्डल विधान का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ों की संख्या में जैन श्रद्धालुओं ने शामिल होकर आचार्यश्री के प्रति अपनी भक्ति निवेदित कर अपना आत्म कल्याण किया। कार्यक्रम को भक्ति रस से सरोबार

राज्य स्तरीय अंडर-19 बैडमिंटन चैंपियनशिप में रांची के खिलाड़ियों का दबदबा

संवाददाता
हजारीबाग : कर्जन ग्राउंड स्थित इंडोर बैडमिंटन स्टेडियम में आयोजित थोेनैक्स स्प्राइज झारखंड राज्य जूनियर अंडर-19 बैडमिंटन चैंपियनशिप सह चयन ट्रायल-2026 का समापन रविवार को फाइनल मुकाबलों और पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ। प्रतियोगिता में राज्य के विभिन्न जिलों से आए खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। बालक एकल और बालक युगल वर्ग में रांची के खिलाड़ियों ने खिताब जीतकर अपना दबदबा कायम रखा। वहीं, बालिका एकल, बालिका युगल और मिश्रित युगल वर्ग में भी खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। बालक एकल वर्ग के फाइनल में रांची के अनीकेत कुमार सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया। रांची के ही

श्रीराम रतन उपविजेता रहे, जबकि आशु गोपाल ने तीसरा स्थान हासिल किया। बालक युगल वर्ग में अनीकेत कुमार सिंह और आशु गोपाल की जोड़ी विजेता बनी। वहीं, बोकारो के निधिन एस. डीकूज और देवघर के ऋषभ राज की जोड़ी उपविजेता रही। बालिका एकल वर्ग में धनबाद की काव्या किरण ने खिताब जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। पूर्वी सिंहभूम की अनुष्का कच्छप उपविजेता रही, जबकि लातेहार की अनु सृष्टि उरांव ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। बालिका युगल वर्ग में बोकारो की अक्शा फिरदौस और धनबाद की काव्या किरण की जोड़ी ने विजेता बनने का गौरव हासिल किया। लातेहार की अनु सृष्टि उरांव और पूर्वी सिंहभूम की अनुष्का कच्छप की रांची के अनीकेत कुमार सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का सुजल रक्षित और पूर्वी सिंहभूम की

अनुष्का कच्छप की जोड़ी ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए खिताब जीता। इस वर्ग में बोकारो के सुरदीप कुमार और धनबाद की काव्या किरण की जोड़ी उपविजेता बनी। समापन समारोह में सदर अनुमंडल पदाधिकारी आदित्य पांडेय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विभिन्न वर्गों के विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए। अपने संबोधन में उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दीं। साथ ही खिलाड़ियों को निरंतर मेहनत, अनुशासन और समर्पण के साथ खेल में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में प्रो. आर. हरि और डी. के. सिंह भी उपस्थित थे। प्रतियोगिता के दौरान मैचों का सुचारु संचालन करने वाले अधिकारियों को प्रो. वाई.

जग्गी ने स्मृति चिह्न और शॉल भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर डी. के. सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों, अतिथियों, अधिकारियों और खिलाड़ियों के अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने आयोजन की सफलता में सहयोग देने वाले सभी लोगों की सराहना की। हजारीबाग बैडमिंटन एसोसिएशन की ओर से आयोजित यह प्रतियोगिता राज्य के उभरते बैडमिंटन खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हुई। प्रतियोगिता के माध्यम से खिलाड़ियों को अपनी खेल क्षमता साबित करने के साथ-साथ भविष्य की चुनौतियों के लिए अनुभव प्राप्त करने का अवसर भी मिला।

जयप्रकाश नारायण की जयंती पर दी गई श्रद्धांजलि

हजारीबाग : लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती के अवसर पर आज हजारीबाग स्थित जयप्रकाश नारायण की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने उनके आदर्शों, संघर्षों और संपूर्ण क्रांति के विचारों को याद करते हुए समाज में बदलाव लाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में झारखंड स्वतंत्रता सेनानी विचार मंच के केन्द्रीय अध्यक्ष बटेश्वर प्रसाद मेहता, शिक्षक विनोद कुमार सिंह, झारखंड आंदोलनकारी चंद्रनाथ भाई पटेल, शंकर राणा, अर्जुन यादव, स्वरूप जैन, पूर्व विधायक गीतम सागर राणा सहित सैकड़ों लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने संपूर्ण क्रांति का आह्वान कर देश को नई दिशा देने का काम किया था।

आज भी उनके विचार प्रासंगिक हैं। युवाओं के अधिकारों, रोजगार और बेहतर भविष्य के लिए एक और जनआंदोलन की आवश्यकता महसूस की जा रही है। वक्ताओं ने कहा कि जब तक जनता जागरूक नहीं होगी, तब तक भ्रष्टाचार से मुक्ति पाना और व्यवस्था में वास्तविक बदलाव लाना मुश्किल है। जनता को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होकर भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठानी होगी। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने लोकनायक जयप्रकाश नारायण के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने तथा युवाओं के हितों और भ्रष्टाचार मुक्त समाज के निर्माण के लिए संघर्ष करने का संकल्प लिया। संदेश: लोकनायक जयप्रकाश नारायण के आदर्शों पर चलकर ही एक जागरूक, न्यायपूर्ण और भ्रष्टाचार मुक्त समाज का निर्माण किया जा सकता है।



जैप-9 में नवनिर्मित शिव विवाह मंडप रसोईघर और फुटबॉल ग्राउंड का उद्घाटन

समादेश राष्मा रमेशन के निर्देश पर कराया गया निर्माण,जवानों को मिलेगी बेहतर सुविधा

साहिबगंज : जैप-9 परिसर में नवनिर्मित शिव विवाह मंडप भवन,रसोईघर एवं फुटबॉल ग्राउंड का उद्घाटन सोनियर डीएसपी मनोज कुमार झा ने फीता काट कर किया किया।जैप-9 की समादेश राष्मा रमेशन के निर्देश पर इन सुविधाओं का निर्माण कराया गया है।इनके शुरू होने से परिसर में रहने वाले जवानों एवं कर्मियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी।इस मौके पर डीएसपी मनोज कुमार झा ने कहा कि नवनिर्मित शिव विवाह मंडप भवन से धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों के आयोजन में सहूलियत होगी।वहीं रसोईघर के



निर्माण से भोजन व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।फुटबॉल ग्राउंड के विकसित होने से जवानों को खेलकूद,शारीरिक फिटनेस और आपसी सम्न्धय बढ़ाने का अवसर मिलेगा।इस पहल का उद्देश्य जैप-9 परिसर में आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करना तथा जवानों के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना है। उद्घाटन के साथ ही परिसर में इन

सुविधाओं के उपयोग का मार्ग प्रशस्त हुआ।मौके पर सोनियर डीएसपी मनोज कुमार झा,लाइन बाबू धर्मेन्द्र कुमार,इंस्पेक्टर सुधान गुड़,सत्येंद्र पासवान,हवलदार जनार्दन सिंह,अध्यक्ष संजय यादव,धनंजय सिंह, पवन कुमार,आचार्य शिव कुमार पांडेय समेत अन्य जैप 9 के जवान मौजूद थे।



कभी नारी सुरक्षा के सवालों से घिरा यूपी अब बना सामर्थ्य की नई पहचान: सीएम योगी

एजेंसी	
लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शारदीय नवरात्रि की द्वितीया पर मां ब्रह्मचारिणी के स्वरूप की पूजा की। उन्होंने प्रदेशवासियों से इसके महत्व पर चर्चा की। कहा कि मां ब्रह्मचारिणी के तप और संकल्प से सिद्धि का मंत्र हमें सिखाता है कि हढ़ इच्छाशक्ति से असंभव दिखने वाले लक्ष्य भी सिद्ध किए जा सकते हैं।	
सीएम ने 2017 से पहले और बाद के यूपी की दिखाई तस्वीरें	
मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया 'एजेंसी' पर 2017 से पहले और इसके बाद के उत्तर प्रदेश की तुलना की। कहा कि वर्ष 2017 से पहले महिला सुरक्षा को लेकर सवालों से घिरा रहने वाला उत्तर	

बागपत में दुर्गा पूजा-दशहरा की सुरक्षा कड़ी, 5 जोन और 13 सेक्टर में बंटा जिला

एजेंसी	
बागपत : उत्तर प्रदेश के बागपत में नवरात्र, दुर्गा पूजा और दशहरा पर्व को सकुशल संपन्न कराने के लिए बागपत पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। जिले को पांच जोन, 13 सेक्टर और 54 सब-सेक्टर में बांटकर पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। शोभायात्राओं, पूजा पंडालों, रामलीला स्थलों, मेलों और रावण दहन कार्यक्रमों पर पुलिस की विशेष नजर रहेगी। भूति विसर्जन के दौरान हादसों से बचाव के लिए प्रत्येक घाट पर गोताखोर तैनात किए गए हैं। एसपी बागपत पूर्णेंद्रु सिंह के निदेशन में त्योहारों के मद्देनजर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए एक अपर पुलिस अधीक्षक, पांच सीओ, 19 निरीक्षक, 60 उपनिरीक्षक, 117 मुख्य आरक्षी, 134 आरक्षी, 60 होमगार्ड व पीआरडी जवान और 45 चौकीदारों की ड्यूटी लगाई गई है। इसके	
अलावा एक क्यूआरटी और डेढ़ प्लाटून पीएसी भी तैनात रहेगी। पुलिस के अनुसार, जिले में 35 शोभायात्राएं निकाली जाएंगी। 11 दुर्गा पूजा पंडालों में प्रतिमाएं स्थापित होंगी, जबकि दो वृहद पंडाल बनाए जाएंगे। दस मंदिरों में विशेष कार्यक्रम, 16 स्थानों पर मेले और रामलीला मंचन तथा 14 स्थानों पर रावण दहन होंगा। दो स्थानों को हॉटस्पॉट और संवेदनशील श्रेणी में चिह्नित किया गया है।	
सीसीटीवी और ड्रोन से होगी निगरानी	
सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस ने आयोजकों, धर्मगुरुओं, शांति समितियों और संप्रभत लोगों के साथ 18 बैठकें की हैं। स्वास्थ्य, विद्युत और अन्य विभागों के साथ भी 22 बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं। अधिकारियों को पूजा पंडालों, रामलीला स्थलों, जुलूस मार्गों और विसर्जन घाटों का निरीक्षण कर जरूरी इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।	

खड़ी ट्रक से टकराई देव ट्रैवल्स बस, खलासी की मौत, आधा दर्जन से अधिक यात्री जखमी

एजेंसी	
सुपौल : पटना से जोगबनी जा रही देव ट्रैवल्स की यात्री बस सोमवार तड़के करीब तीन बजे भूपतियाही थाना क्षेत्र के झाड़ा गांव के पास सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। इस भीषण दुर्घटना में बस के खलासी भागीरथ झा की मौत हो गई, जबकि बस में सवार आधा दर्जन से अधिक यात्री जखमी हो गए। मृतक भागीरथ झा राधोपुर थाना क्षेत्र के मोतीपुर गांव के निवासी बताए गए हैं। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। दुर्घटना में देव ट्रैवल्स की बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। जखमी यात्रियों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र,	
सरायगढ़-भपटियाही पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार किया गया। प्राथमिक उपचार के बाद यात्रियों को घर भेज दिए जाने	

शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव,

पूरी बढ़त गंवा कर लाल निशान में लुढ़के सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी	
नई दिल्ली : घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरूआत मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के तुरंत बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में कुछ देर के लिए तेजी का रुख बनता हुआ नजर आया। हालांकि यह तेजी टिकाऊ नहीं हो सकी। थोड़ी देर में ही बाजार में बिकवाली शुरू हो गई। बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण इन दोनों सूचकांकों की चाल कमजोर पड़ती चली गई। सुबह 11 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.59 प्रतिशत और निफ्टी 0.45 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। वीएसई का सेंसेक्स आज 298.99 अंक यानी 0.41 प्रतिशत की तेजी के	

की नीति, तकनीक आधारित निगरानी, पुलिस की त्वरित कार्रवाई और जन-जागरूकता अभियानों ने प्रदेश में महिलाओं के लिए भव्यमुक्त वातावरण के निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाई है।

महिला सुरक्षा तंत्र को किया सुदृढ़

सीएम योगी ने कहा कि मिशन शक्ति के पांच चरणों, सेफ सिटी परियोजना, मिशन शक्ति केंद्रों और महिला बीट पुलिसिंग जैसी पहलों ने महिला सुरक्षा तंत्र को व्यापक और सुदृढ़ आधार प्रदान किया है।

यूपी पुलिस में 44,000 से अधिक हुआ महिला कार्यबल

मुख्यमंत्री ने पुलिस कार्यबल में महिलाओं के योगदान का भी

जिक्र किया। कहा कि 20 प्रतिशत आरक्षण के साथ उत्तर प्रदेश महिला पुलिस कार्यबल 10,000 से बढ़कर 44,000 से अधिक हुआ है। इसके साथ ही लखनऊ में वीरांगना ऊदा देवी पार्सी, गोरखपुर में वीरांगना झलकारी बाई कोरी और बदायूं में वीरांगना अवंतीबाई लोधी के नाम पर 3 महिला पीएसो बटालियनों का भी गठन हुआ है।

सशक्त नारी-समृद्ध उत्तर प्रदेश के संकल्प को साकार कर रही सरकार

मुख्यमंत्री ने नागरिकों को आश्वस्त किया कि प्रदेश की डबल इंजन सरकार की नारी सुरक्षा से सशक्तीकरण की यह अहर्निश यात्रा ह्रस्वशक्त नारी-समृद्ध उत्तर प्रदेशरू के संकल्प को साकार कर रही है।

वाराणसी: शारदीय नवरात्रि के दूसरे दिन संयम, सदाचार की देवी ब्रम्हचारिणी के दरबार में उमड़ा आस्था का सैलाब

एजेंसी	
वाराणसी : उत्तर प्रदेश के धर्म और अध्यात्म की नगरी काशी (वाराणसी)में शारदीय नवरात्रि के दूसरे दिन सोमवार को तप, त्याग, संयम और सदाचार की अधिष्ठात्री देवी मां ब्रह्मचारिणी के दरबार में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। दुर्गाघाट स्थित माता के मंदिर में भार से ही दर्शन-पूजन के लिए भक्तों की कतारें लग गईं। मां के जयकारों से मंदिर परिसर और आसपास की गलियां भक्तिमय हो उठीं। श्रद्धालुओं ने माता के चरणों में शीश नवाकर परिवार, समाज और देश में सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की।मंदिर में सुबह से ही घंटियों की गूंज और माता के जयकारों से वातावरण गुंजायमान रहा। धूप, अगरबत्ती और लोहबान की सुगंध से पूरा परिसर आध्यात्मिक आभा से सराबोर नजर आया। मां ब्रह्मचारिणी के	
तप, त्याग और संयम की प्रतीक हैं मां ब्रह्मचारिणी	
धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मां दुर्गा का दूसरा स्वरूप मां ब्रह्मचारिणी तपस्या, त्याग, वैराग्य, संयम और सदाचार का प्रतीक है।	



दिव्य स्वरूप के दर्शन कर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। मंदिर के मुख्य द्वार से लेकर आसपास की गलियों तक भक्त कतारबद्ध होकर अपनी बारी का इंतजार करते रहे। श्रद्धालुओं में माता के दर्शन और पूजन को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला।

माता के दाहिने हाथ में अक्षमाला और बाएं हाथ में कमंडलु सुशोभित है। मान्यता है कि विधि-विधान से मां ब्रह्मचारिणी को आराधना करने से साधक को आत्मबल, धैर्य और संयम की प्राप्ति होती है। ब्रम्हचारिणी मंदिर के पुजारी पं. राघव ने कहा कि पुराणों में लिखा है कि मां ब्रह्मचारिणी ब्रह्मा जी की बेटी हैं। ब्रह्म का अर्थ है तपस्या तथा तथा तप का आचरण करने वाली भगवती, जिस कारण उन्हें ब्रह्मचारिणी कहा जाता है। नवरात्रि के द्वितीय दिन यहां न सिर्फ काशी बल्कि अन्य जिलों से भी लोग दर्शन व पूजन के लिए आते हैं। यहां

मुख्यमंत्री ने कनकेश्वर नाजारी को पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

गुवाहाटी : असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने सोमवार को विशिष्ट समाजसेवी एवं कुशल राजनीतिज्ञ कनकेश्वर नाजारी की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने बोडो समाज के कल्याण के लिए नाजारी के समर्पण और उनके सामाजिक योगदान को याद किया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर अपने संदेश में कहा कि कनकेश्वर नाजारी एक विशिष्ट समाजसेवी और कुशल राजनीतिज्ञ थे, जिन्होंने बोडो समाज के कल्याण के लिए अथक प्रयास किए। उन्होंने कहा कि समाज के प्रति नाजारी का योगदान संदेव लोगों के लिए प्रेरणा का निर्मल स्रोत बना रहेगा।

मुख्यमंत्री ने पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए समाज के प्रति उनके समर्पण और सेवाभाव को याद किया।

मुख्यमंत्री ने अपने संदेश के माध्यम से स्वर्गीय नाजारी के सामाजिक योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि समाज के कल्याण के लिए समर्पित व्यक्तियों का योगदान आने वाली पीढ़ियों को निरंतर प्रेरित करता रहेगा।

न्यूज़ IN बीफ
भागलपुर रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ की बड़ी कार्रवाई, 50.4 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब बरामद
भागलपुर : बिहार में पूर्ण शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत रेलवे सुरक्षा बल को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। भागलपुर रेलवे स्टेशन पर चलाए गए एक विशेष वॉक अभियान के दौरान भारी मात्रा में अवैध विदेशी शराब जब्त की गई है। यह कार्रवाई आरपीएफ पोस्ट कमांडर अमित कुमार गिरि के पर्यवेक्षण में की गई। स्टेशन परिसर में सुरक्षा को लेकर चलाए जा रहे सघन जांच अभियान के दौरान सुरक्षा बलों की नजर प्लेटफॉर्म संख्या 4 और 5 के बीच बने मिडिल फुटओवर ब्रिज के पास पड़ी। वहां संदिग्ध हालत में तीन लावारिस बोरिया रखी हुई थी। काफी देर तक किसी भी यात्री या व्यक्ति द्वारा उन बोरियों पर दावा न किए जाने के बाद, आरपीएफ की टीम ने उन्हें कब्जे में लेकर तलाशी ली। बोरियों को खोलने पर पुलिस को उसके भीतर से विदेशी शराब की एक बड़ी खेप मिली। आरपीएफ ने इन बोरियों से 180 एमएल वाले कुल 280 ट्रेडो पैक बरामद किए, जिसकी कल मात्रा 50.4 लीटर मापी गई है। आरपीएफ ने शराब की इस पूरी खेप को जब्त कर लिया है और कामाजी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद इसे आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए उत्पाद विभाग, भागलपुर को सौंप दिया है। आरपीएफ पुलिस अब स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि शराब की इन बोरियों को वहां किसने और किस ट्रेन से लाकर रखा था।

दो महिलाओं के गले से लूटी गई सोने की चेन

नोएडा : उत्तर प्रदेश के नोएडा में विभिन्न जगहों पर रहने वाली दो महिलाओं के गले से बाइक सवार बदमाशों ने सोने की चेन लूट लिया। घटनाओं की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक रंजीत कुमार सिंह ने बताया कि साधना सिंह नेगी पत्नी मनीष सिंह ने बीती रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह गौर सिटी दो में रहती हैं। पीड़ित के अनुसार वह बीती रात को 9 बजे के करीब सामान लेने के लिए गौर सिटी से सोसाइटी से बाहर गई थीं। इसी बीच बाइक सावरा अज्ञात बदमाशों ने उनके गले से सोने की चेन लूट ली। उन्होंने बदमाशों का पीछा किया और सहयोग के लिए आवाज लगाई, लेकिन कोई भी व्यक्ति सहयोग करने के लिए नहीं आया। थाना प्रभारी ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे और सर्विलांस विधि के आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना सेक्टर -39 के प्रभारी निरीक्षक डीपी शुक्ल ने बताया कि दीपिका शर्मा पुत्री विनय शर्मा ने बीती रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह सेक्टर 40 के ए- ब्लॉक में रहती हैं। पीड़िता के अनुसार वह अपने घर जा रही थीं, तभी बाइक सवार अज्ञात बदमाशों ने सेक्टर 40 के बी-ब्लॉक के पास से उनके गले से कीमती सोने की चेन लूट लिया। पीड़िता की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

विभिन्न जगहों पर रहने वाले दो लोगों से साइबर अपराधियों ने की 19 लाख 50 हजार रुपए की ठगी

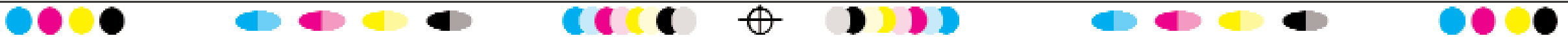
नोएडा : उत्तर प्रदेश के नोयडा स्थित थाना साइबर क्राइम में आदित्य आशीष मकासी ने बीती रात को रिपोर्ट दर्ज कराई है कि अज्ञात साइबर अपराधियों उनसे 9 लाख 50 हजार रुपए की ठगी कर ली। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस उपपुक्त साइबर क्राइम शैला गोयल ने बताया कि पीड़ित के अनुसार साइबर अपराधियों ने अपने जाल में फंसाया तथा पिलपकार्ट या दूसरे पोर्टल पर कुछ एडवाइस को लाइक करने और हर एडवाइस, एडवर्टाइजमेंट देखने के नाम पर 200 से 250 रुपए देने का प्रलोभन दिया। पीड़ित के अनुसार आशीषों ने टारक पूरा करने के नाम पर उनसे कई बार में 9 ,50,000 रुपए ले लिया। डीसीपी ने बताया कि बाद में उन्हें गुप से बाहर निकाल दिया गया। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर साइबर क्राइम पुलिस मामले की जांच कर रही है। एक अन्य मामले में बीती रात को मनोज नागर ने साइबर क्राइम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि अज्ञात साइबर अपराधियों ने शेयर मार्फेट में निवेश करने के नाम पर उन्हें अपने जाल में फंसाया तथा उनसे कई बार में 10 लाख रुपए अपने विभिन्न खातों में ट्रांसफर करवा लिया। उन्होंने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पंचायत राज चुनाव प्रथम चरण: नामांकन के लिए आज और कल का मौका, 13 अक्टूबर अंतिम तिथि

जयपुर : राजस्थान में पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनाव को लेकर चुनावी गतिविधियां तेज हो गई हैं। जिला परिषद सदस्य और प्रथम चरण के पंचायत समिति सदस्य पदों के लिए नामांकन प्रक्रिया अंतिम दौर में पहुंच गई है। अर्थार्थियों के पास नामांकन दाखिल करने के लिए 12 और 13 अक्टूबर का समय शेष है। नामांकन पत्र निर्धारित समय सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक ही स्वीकार किए जाएंगे। ऐसे में चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों को आवश्यक दस्तावेजों और पात्रता संबंधी शर्तों को पूरा कर समय रहते नामांकन दाखिल करना होगा। जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) संदेश नायक के अनुसार नामांकन पत्रों की जांच 14 अक्टूबर को सुबह 11 बजे से होगी। अभ्यर्थी 15 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे तक उपस्थित होकर नाम वापस ले सकेगे। इसके बाद चुनावी तस्वीर स्पष्ट होगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मतदान 22 अक्टूबर 2026 को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक होगा, जबकि मतगणना 20 नवंबर को जिला मुख्यालय पर की जाएगी। जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्य पदों पर चुनाव लड़ने के लिए अभ्यर्थी की न्यूनतम आयु 21 वर्ष अनिवार्य है। जिला परिषद सदस्य पद के लिए संबंधित जिला परिषद की तथा पंचायत समिति सदस्य पद के लिए संबंधित पंचायत समिति की मतदाता सूची में नाम होना चाहिए। इन पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता और सतान संबंधी कोई बाधता नहीं है। अभ्यर्थी के घर में छत, दरवाजे और तीन दीवारों से युक्त कारंशील स्वच्छ शौचालय होना आवश्यक है। इस संबंध में घोषणा-पत्र देना होगा। इसके अलावा 50 रुपये के गैर-न्यायिक स्टाम्प पत्र पर नोटरी अथवा मजिस्ट्रेट से सत्यापित शपथ-पत्र प्रस्तुत करना होगा, जिसमें आपराधिक रिकॉर्ड और चल-अचल संपत्ति का विवरण देना अनिवार्य है। नामांकन पत्र निर्धारित प्रात्र में पूरी जानकारी के साथ भरना होगा। किसी भी कॉलम को खाली नहीं छोड़ना है। जो जानकारी लागू नहीं होती, वहां हलानु-नहीह्न अथवा खरग्यरूढ अंकित करना होगा। मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय उम्मीदवारों के दलों के उम्मीदवारों के लिए एक प्रस्तावक, जबकि निर्दलीय उम्मीदवारों के लिए पांच प्रस्तावक आवश्यक हैं। सभी प्रस्तावक संबंधित निर्वाचन क्षेत्र के वैध मतदाता होने चाहिए। आरक्षित सीटों पर चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों को नियमानुसार सक्षम अधिकारी द्वारा जारी जाति प्रमाण-पत्र भी संलग्न करना होगा। जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्य पदों के लिए सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों की जमानत राशि 500 रुपये निर्धारित है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा जाति और महिला अभ्यर्थियों के लिए यह राशि 250 रुपये है। नामांकन जमा करने से पहले प्रस्तावकों के वार्ड नंबर और मतदाता सूची के क्रमांक की जांच करने तथा सभी आवश्यक दस्तावेज संलग्न करने की सलाह दी गई है। चुनाव प्रचार के दौरान जिला परिषद सदस्य पद के अभ्यर्थी अधिकतम तीन वाहनों और पंचायत समिति सदस्य पद के अभ्यर्थी एक वाहन का उपयोग कर सकेंगे। चुनाव खर्च की अधिकतम सीमा जिला परिषद सदस्य के लिए तीन लाख रुपये और पंचायत समिति सदस्य के लिए डेढ़ लाख रुपये निर्धारित की गई है। अभ्यर्थियों को नामांकन प्रक्रिया के साथ चुनाव खर्च संबंधी नियमों का भी पालन करना होगा।

दुर्गा पूजा पंडाल में करंट लगने से किशोर की मौत, परिवार का इकलौता बेटा था नीरज

जौनपुर : उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में केरावत कोतवाली क्षेत्र के खटरहा गांव में रविवार रात दुर्गा पूजा पंडाल में करंट लगने से एक किशोर की मौत हो गई। हादसा आरती के दौरान हुआ, जब पंडाल में लगी टैट की पाइप में करंट उतर आया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया और पूरे गांव में शोक छ गया। मृतक की पहचान खटरहा गांव निवासी नीरज सरोज, पुत्र कवल् सरोज के रूप में हुई। रविवार रात करीब 8:30 से 9 बजे के बीच दुर्गा पूजा पंडाल में आरती हो रही थी। इसी दौरान टैट की पाइप में उतर करंट की चोट में आने से नीरज की मौत हो गई। नीरज अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। परिवार में एक बेटी भी है। बेटे की असामयिक मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। हादसे की सूचना मिलते ही तीन थानों की पुलिस मौके पर पहुंच गई। इंसपेक्टर अमरेंद्र पांडे ने बताया कि परिजनों की सहमति से किशोर का अंतिम संस्कार कर दिया गया। परिजनों ने पोस्टमार्टम नहीं कराया। गौरतलब है कि प्रशासन की ओर से दुर्गा पूजा पंडालों में सुरक्षा के पुष्का इंतजाम करने और बिजली संबंधी लापरवाही से बचने की हिदायत दी गई थी। इसके बावजूद हुई इस घटना ने पंडालों में विद्युत सुरक्षा के इंतजामों पर सवाल खड़ा कर दिए हैं।



न्यूज़ IN ब्रीफ

रंग-बिरंगे प्रधान में सजे बच्चों ने गरबा नृत्य ने से बांधा समां

नवरात्रि के पावन अवसर पर आयोजित गरबा कार्यक्रम में नन्हें मुने बच्चों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया। पारंपरिक परिधानों में सजे बच्चों ने मधुर संगीत की धुन पर शानदार गरबा नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। बच्चों की मममोहक प्रस्तुतियों को देखकर उपस्थित अभिभावकों और दर्शकों ने तालिया के साथ उनका उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों ने भारत संस्कृति परंपरा और लोक नृत्य के प्रति अपनी रुचि को प्रदर्शित किया।



बाइक-टैंपो की भीषण टक्कर में युवक की मौत, दूसरा गंभीर

मोहम्मदगंज : मोहम्मदगंज-जपला मुख्य पथ पर भजनिया स्थित नागाबाबा मंदिर के पास सोमवार सुबह बाइक और टैंपो की जोरदार टक्कर में रोहित (पुत्र उदेश राम), निवासी बटउआ, की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। बाइक पर सवार दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे परिजन इलाज के लिए हुसैनाबाद अस्पताल ले गए।

जानकारी के अनुसार, रोहित अपने साथी के साथ मोहम्मदगंज से घर की ओर जा रहा था। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रहे टैंपो से बाइक की भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि रोहित के गले में गंभीर चोट आई, जबकि दूसरे युवक का माथा फट गया। ग्रामीणों के अनुसार, घायल को अस्पताल पहुंचाने के लिए 108 एंबुलेंस सेवा पर कई बार कॉल किया गया, लेकिन जवाब नहीं मिला। 112 पर भी संपर्क करने का प्रयास किया गया, पर तत्काल सहायता नहीं मिल सकी। अंततः ग्रामीणों ने थाने के मोबाइल नंबर पर सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। मोहम्मदगंज-जपला मुख्य पथ पर एक माह के भीतर कई हादसों की चर्चा के बीच तेज रफ्तार और सड़क सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों ने दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए प्रभावी कदम उठाने और आपातकालीन सेवाओं की त्वरित उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग की है।

कुटमू में भव्य जल यात्रा के साथ शारदीय नवरात्र का शुभारंभ

मेदिनीनगर : पलामू के उंटारी रोड प्रखंड के कुटमू गांव में शारदीय नवरात्र के अवसर पर भव्य जल यात्रा निकाली गई। धार्मिक उत्साह और भक्तिमय माहौल के बीच आयोजित इस जल यात्रा में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान जय माता दी के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। जल यात्रा की शुरुआत कुटमू गांव में स्थित सूर्य मंदिर से हुई। यहां से श्रद्धालु ने कोयल-बाकी नदी के तट पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच जल उठाया। धार्मिक अनुष्ठान के बाद श्रद्धालु जल लेकर वापस सूर्य मंदिर दुर्गा मंडप पहुंचे। नवरात्र को लेकर ग्रामीणों में विशेष उत्साह और आस्था देखने को मिली। जल यात्रा के दौरान कुटमू गांव दुर्गा पूजा समिति की ओर से श्रद्धालुओं के लिए सेवा की व्यवस्था की गई। जल यात्रा के माध्यम से गांव में धार्मिक आस्था, आपसी सहयोग और सामाजिक एकजुटता का संदेश दिया गया।

करीमनडीह में गूंजे मां दुर्गा के जयकारे

मेदिनीनगर : दुर्गा पूजा के पावन अवसर पर हैदरनगर प्रखंड के चर्चित करीमनडीह गांव में आस्था, श्रद्धा और सामाजिक सौहार्द का अनूठा संगम देखने को मिला। मां दुर्गा की आराधना के लिए निकली भव्य कलश यात्रा में हिंदू-मुस्लिम एकता की ऐसी मिसाल देखने को मिली, जिसने आपसी भाईचारे और गंगा-जमुनी तहजीब की परंपरा को एक बार फिर जीवंत कर दिया। यात्रा में करीमनडीह और नोखीला गांव के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कलश यात्रा समाजसेवी नवाजिश खान और मुखिया नजमा खातून की अगुवाई में निकाली गई। यात्रा गांव के पोखरा पहुंची, जहां श्रद्धालुओं ने विधि-विधान के साथ जल उठाया। इस दौरान पूरा गांव भक्तिमय माहौल में डूबा रहा और मां दुर्गा के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। श्रद्धालुओं की भागीदारी और दोनों समुदायों के लोगों की सक्रिय उपस्थिति ने आयोजन को खास बना दिया।

इस अवसर पर दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष अवधेश विश्वकर्मा, अशोक राम, उप मुखिया सूरज कुमार, राजेश्वर राम, साबित अली, उमेश सिंह समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। समाजसेवी नवाजिश खान ने कहा कि एक-दूसरे के पर्व-त्योहारों में शामिल होना और मिल-जुलकर खुशियां बांटना हम सभी का सामाजिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि करीमनडीह में पिछले 25 वर्षों से समाजसेवियों और जनप्रतिनिधियों के प्रयासों से आपसी भाईचारे की परंपरा मजबूत हुई है। यहां दोनों समुदायों के लोग एक-दूसरे के सुख-दुख में सहभागी बनते हैं और मिलकर सामाजिक सद्भाव का संदेश देते हैं। करीमनडीह की यह कलश यात्रा केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसने समाज की एकता, प्रेम और परस्पर समान का संदेश भी दिया। ऐसे आयोजनों से यह विश्वास मजबूत होता है कि पर्व-त्योहार लोगों को बांटने नहीं, बल्कि एक-दूसरे के करीब लाने का माध्यम हैं। करीमनडीह ने एक बार फिर साबित किया कि आपसी विश्वास और भाईचारे की नींव पर ही सौहार्दपूर्ण समाज का निर्माण होता है।

ममता कुमारी बनी बोकारो स्टील सिटी की नयी थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक



बिनय मिश्रा : बोकारो जिला के बोकारो स्टील सिटी थाना के नयी थाना प्रभारी के रूप में ममता कुमारी ने अपना पदभार ग्रहण किया था।ना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक ममता कुमारी झारखंड के तेज तर्रार एवं कर्मठ पुलिस अधिकारी के रूप में पहचानी जाती है उन्हें उनके बेहतर कार्य प्रणाली के फल स्वरुप लेडी सिंधम का भी खिाव प्रशान होना हुआ है 2012 बैच के पुलिस निरीक्षक ममता कुमारी जहां भी रहे अपने बेहतर कार्य प्रणाली और उत्कृष्ट जवाब देही के फल स्वरुप हमेशा जनप्रिय पुलिस निरीक्षक के रूप में पहचान बनाने में सफल रही है ममता कुमारी इससे पूर्व रांची जिला में पदस्थापित नगर चुटिया और लालपुर थाना में थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक के रूप में पदस्थापित रहने के तपश्चात हुए गिरिडीह धनबाद जिला के पश्चात बोकारो जिला में पदस्थापित हुयीह इससे पूर्व सरायकेला खरसावां जिला में भी पदस्थापित रह चुकी हैं पुलिस निरीक्षक के रूप में पदस्थापित होने के पश्चात अपना पदभार ग्रहण करने के साथ ही ममता कुमारी ने कहा कि उनके थाना अधिन क्षेत्र के लोगों को बेहतर विधि व्यवस्था और शांति व्यवस्था बेहतर ढंग से रखना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है लोग अपनी समस्या तथा परेशानी कहे लेकर थाने में बेहिचक आए और अपनी बात और समकयता तथा परेशानी कहे लेकर समस्याओं का निपादन निश्चित तौर पर किया जाएगा पुलिस को लोग अपना सच्चा और अच्छ मित्र समझे किसी प्रकार के कोई जानकारी और सूचना हो तो उन्हें अवश्य दें पुलिस उनकी बातों को और जानकारी को गुप्त रखे जाएगी बोकारो स्टील सिटी थाना के क्षेत्र के लोग निर्भीक और बेहतर ढंग से रहे यह उनकी प्राथमिकता में मुख्य रूप से शामिल है।

महाराजा अग्रसेन के परोपकार और समरसता के आदर्शों पर चलकर जिले का करें सर्वांगीण विकास : उपायुक्त

आनंद भवन में भव्य पारितोषिक वितरण व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

उपायुक्त कंचन सिंह और एसपी श्रीकांत एस. खोटेरे ने विजेताओं और मेधावी प्रतिभाओं को किया सम्मानित

एक रुपया और एक ईंट' का सिद्धांत समाज को एकजुट करने की अनूठी मिसाल: एसपी

सिमडेगा: अग्रवाल सभा द्वारा महाराजा अग्रसेन जयंती के पावन अवसर पर आयोजित विभिन्न प्रतिवेोगिताओं का भव्य समापन एवं पारितोषिक वितरण समारोह रविवार को आनंद भवन में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य



रूप में उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह एवं पुलिस अधीक्षक श्रीकांत एस. खोटेरे उपस्थित थे। कार्यक्रम में समाज के नन्हें-मुने बच्चों और युवाओं ने पारंपरिक व देशभक्ति से ओत-प्रोत प्रस्तुतियां देकर उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया। बच्चों की प्रस्तुति ने पूरे माहौल को उत्सवमय बना दिया। मौके पर अग्रसेन जयंती के मौके पर आयोजित विभिन्न खेलकूद एवं रचनात्मक प्रतिवेोगिताओं के

विजेताओं और उपविजेताओं को अतिथियों द्वारा मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले समाज के होनहार छात्र-छात्राओं को डीसी,एसपी एवं अग्रवाल समाज के संरक्षकों द्वारा विशेष रूप से सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत अग्रवाल सभा के पदधारियों ने शॉल ओढ़ाकर एवं बुके देकर

किया। कार्यक्रम को गरिमामय और सफल बनाने में अग्रवाल सभा, अग्रवाल महिला समिति एवं अग्रवाल युवा समिति के सभी पदाधिकारियों तथा सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई। परोपकार और सेवा अग्रवाल समाज की पहचान: डीसी समारोह को संबोधित करते हुए डीसी कंचन सिंह ने कहा कि अग्रवाल समाज का

गौरवशाली इतिहास सदैव परोपकार, त्याग और जनसेवा का रहा है। उन्होंने कहा कि अग्रवाल समाज के लोग पौढ़ियों से सेवा और परोपकार के पथ पर अग्रसर रहे हैं। हम सभी का यह दायित्व है कि अपने पुरखों और महाराजा अग्रसेन जी के दिखाए मार्ग पर चलते हुए इस समृद्ध परंपरा को आगे बढ़ाएं तथा जिले के सर्वांगीण विकास में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं। डीसी ने महिलाओं से भी आगे आकर समाज के माध्यम से रचनात्मक कार्य करने की अपील की। उन्होंने अग्रसेन जयंती की शुभकामना देते हुए महाराजा अग्रसेन के संकल्पों को अपने जीवनशैली में आत्मसात करने की बात कही। एक रुपया, एक ईंट' का सिद्धांत सामाजिक समरसता की नींव: एसपी एसपी श्रीकांत एस. खोटेरे ने समाज की एकजुटता की सराहना करते हुए कहा कि महाराजा अग्रसेन द्वारा प्रतिपादित 'एक रुपया और एक ईंट' का दर्शन विश्व को सामाजिक समानता और परस्पर सहयोग का अनुपम संदेश देता है। उन्होंने सभी से इस सिद्धांत को आत्मसात कर जरूरतमंदों की मदद करने का आह्वान किया। एसपी ने कहा कि महाराजा अग्रसेन जी ने लगभग पांच हजार वर्ष पूर्व जो आदर्श स्थापित किया था वो आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने सभी को अग्रसेन जयंती की शुभकामना दी।

नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म के मामले में आरोपी शिक्षक गिरफ्तार



संवाददाता

सिमडेगा : झारखंड के सिमडेगा जिले के केरसई थाना क्षेत्र में 10 वर्षीय नाबालिग छात्रा के साथ दुष्कर्म का गंभीर मामला सामने आया है। इस मामले में एक प्राथमिक विद्यालय में कार्यरत शिक्षक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान जलेन कुजूर के रूप में हुई है। आरोप है कि शिक्षक लंबे समय से बच्ची के साथ दुष्कर्म कर रहा था और इस बारे में किसी को बताने पर उसे जान से मारने की धमकी भी देता था। पीड़िता की नानी की शिकायत के आधार पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई शुरू की है। मामले की जानकारी सोमवार को डीएसपी मुख्यालय रणवीर सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दी। उन्होंने बताया कि शिकायत मिलने के बाद

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर केरसई थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया। मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है। पीड़िता की नानी ने थाने में दर्ज कराई शिकायत पुलिस के अनुसार, 11 अक्टूबर 2026 को पीड़िता की नानी ने केरसई थाना में लिखित आवेदन देकर मामले की शिकायत दर्ज कराई थी। आवेदन में आरोप लगाया गया कि आरोपी शिक्षक लंबे समय से बच्ची के साथ जबरन दुष्कर्म कर रहा था। शिकायत में यह भी कहा गया कि आरोपी ने बच्ची को इस बारे में किसी को जानकारी देने पर जान से मारने की धमकी दी थी। मामले को संवेदनशीलता और पीड़िता की कम उम्र को देखते हुए पुलिस ने

शिकायत को गंभीरता से लिया। आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस ने मामले में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। बीएनएस और पॉक्सो एक्ट के तहत प्राथमिकी पुलिस ने इस मामले में केरसई थाना कांड संख्या 26/26, दिनांक 11 अक्टूबर 2026 के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 65(2) और 351(3) तथा पॉक्सो अधिनियम की धारा 4/6 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पॉक्सो अधिनियम बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण देने के लिए बनाया गया है। नाबालिगों से जुड़े ऐसे

बाढ़ के बाद भी विद्यालयों में पढ़ाई टप, बच्चों के भविष्य से खिलवाड़

सवालों के घेरे में जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग, ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री से की ठोस कार्रवाई की मांग

सारण/पटना : सारण और पटना जिले के दियारा क्षेत्र में सरकारी शिक्षा व्यवस्था की बढहाली को लेकर इन दिनों चर्चा तेज है। बाढ़ का पानी उतरने और स्थिति सामान्य होने के बावजूद कई सरकारी विद्यालयों में पढ़ाई शुरू नहीं होने का आरोप सामने आया है। ग्रामीणों का कहना है कि करीब दो महीने से विद्यालयों में पठन-पाठन बाधित है। बाढ़ के बाद लगभग तीन सप्ताह बीत जाने के बावजूद यदि विद्यालयों का संचालन शुरू नहीं हुआ है, तो यह बच्चों के भविष्य के साथ गंभीर खिलवाड़ है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर इस स्थिति के लिए जिम्मेदार कौन है—राज्य सरकार, शिक्षा विभाग या जिला प्रशासन? मुख्यमंत्री के दावों और जमीनी हकीकत में कितना अंतर? हाल ही में मुख्यमंत्री ने दोषा के रामजीचक स्थित विद्यालय पहुंचकर बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की बात कही थी। लेकिन सवाल यह उठता है कि जब विद्यालयों में नियमित पढ़ाई ही नहीं होगी, तो बच्चों का भविष्य कैसे संवरेगा?

उतरने के बाद भी विद्यालयों की साफ-सफाई नहीं कराई गई है। ऐसे में विद्यालयों का संचालन बंद रहना प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। लोगों का आशंका है कि कहीं दुर्गा पूजा, दीपावली और छठ जैसे त्योहारों को आधार बनाकर विद्यालयों का संचालन और लंबे समय तक बाधित न रह जाए। दियारा के बच्चों की शिक्षा पर संकट सारण जिले के दीघवारा प्रखंड और पटना जिले के दानापुर क्षेत्र के दियारा इलाकों में रहने वाले बच्चों की शिक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं सामने आ रही हैं। बाढ़ प्रभावित इन क्षेत्रों में शिक्षा व्यवस्था पहले से ही कई चुनौतियों का सामना कर रही है। ऐसे में लंबे समय तक पढ़ाई बाधित रहने से बच्चों की शैक्षणिक प्रगति प्रभावित होने की आशंका है। ग्रामीणों का सवाल है कि क्या दियारा क्षेत्र में रहने वाले बच्चे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के हकदार नहीं हैं? यदि सभी बच्चों को समान शिक्षा उपलब्ध कराना सरकार की ज़िम्मेदारी है, तो इन इलाकों में ऐसे लापरवाही क्यों बरती जा रही है? विकास योजनाओं की जमीनी हकीकत देखने निकलीं मेट्रो रेल की टीएम ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और अन्य बुनियादी सुविधाओं की स्थिति को समझने के उद्देश्य से मेट्रो रेल की टीएम ने बिहार के बाढ़ प्रभावित दियारा क्षेत्र के दानापुर और सारण जिले के दीघवारा प्रखंड के कुछ



पंचायतों का सर्वेक्षण किया।

सर्वेक्षण के दौरान ग्रामीण विकास से जुड़ी कई समस्याएं सामने आने का दावा किया गया। इनमें टूटी-फूटी सड़कें, जलापूर्ति योजनाओं का सुचारु रूप से संचालित नहीं होना, जर्जर विद्यालय भवन, सरकारी इमारतों की खराब स्थिति और स्वास्थ्य केंद्रों में आवश्यक सामग्रियों की कमी जैसी समस्याएं शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, शौचालयों की अपर्याप्त व्यवस्था के कारण ग्रामीणों को खुले में शौच करने के लिए मजबूर होना पड़ने की शिकायतें भी सामने आईं। यदि इन समस्याओं की पुष्टि होती है, तो यह संबंधित योजनाओं के क्रियान्वयन और निगरानी व्यवस्था की गंभीर समीक्षा का आवश्यकता को

दशातों है।

सरकारी धन खर्च होने के बावजूद विकास अधूरा क्यों? ग्रामीणों के मन में सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब विकास योजनाओं के लिए सरकार धन उपलब्ध कराती है, तो फिर गांवों में बुनियादी सुविधाओं की स्थिति बदहाल क्यों है? आरोप है कि कई स्थानों पर विकास कार्यों की गुणवत्ता और रखरखाव पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। विद्यालयों में बच्चों के लिए जरूरी सुविधाओं का अभाव भी इसी समस्या का हिस्सा बताया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार की ओर से योजनाओं के लिए धन उपलब्ध कराए जाने के बावजूद यदि धरातल पर अपेक्षित परिणाम नहीं

दिखते, तो संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

हालांकि, विकास कार्यों में अनियमितता, धन के दुरुपयोग या मिलीभगत के आरोपों को पुष्टि संबंधित अभिलेखों, स्थलीय जांच और आधिकारिक जवाब के आधार पर ही की जा सकती है। जिला प्रशासन की जवाबदेही पर उठे सवाल सारण और पटना जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों की निगरानी को लेकर जिला प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठाए जा रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रखंड स्तर के अधिकारियों और कर्मचारियों पर अत्यधिक निर्भरता के कारण योजनाओं की वास्तविक स्थिति

की नियमित समीक्षा नहीं हो पाती। लोगों का यह भी आरोप है कि कुछ स्थानों पर जनप्रतिनिधियों और संबंधित कर्मचारियों के बीच कथित मिलीभगत के कारण विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इन आरोपों की निष्पक्ष जांच कराना प्रशासन की जिम्मेदारी है। यदि सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक नहीं पहुंच रहा है या निर्माण कार्यों में निर्धारित मानकों का पालन नहीं हो रहा है, तो संबंधित जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। शौचालय और विद्यालयों की बढहाली कब होगी दूर? ग्रामीण क्षेत्रों में शौचालयों की कमी और विद्यालयों में स्वच्छता संबंधी समस्याएं भी चिंता का विषय हैं। ग्रामीणों का सवाल है कि जब सरकारी योजनाओं के तहत शौचालयों और विद्यालयों में बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था करने के लिए धन उपलब्ध कराया जाता है, तो फिर लोगों को आज भी इन समस्याओं का सामना क्यों करना पड़ रहा है? विद्यालयों में शौचालय, स्वच्छ पेयजल, साफ-सफाई और सुरक्षित भवन जैसी सुविधाएं बच्चों के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। इनका अभाव विद्यार्थियों की पढ़ाई और स्वास्थ्य दोनों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। ऐसे में संबंधित विभागों को विद्यालयों की स्थिति का आकलन कर कमियों को दूर करने के लिए समयबद्ध कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए।

